छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 16 ■ अंक - 12 ■ अम्बिकापुर, मंगलवार 31 दिसम्बर 2024 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

फ्रंटलाइन खबर

मधुमक्खियों के हमले में घायल की इलाज दौरान मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बतौली थाना क्षेत्र के ग्राम भटको का बालमुकुन्द पोर्ते 55 वर्ष, मधुमक्खियों के हमले में गंभीर रूप से जख्मी हो गया था, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक बालमुकुन्द पोर्ते रविवार को पास के गांव मुरेवा में मवेशियों को लेकर चराने के लिए गया था। इसी दौरान उस पर मधुमक्खियों का झुंड अचानक उस पर हमला कर दिया। गांव के लोग चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे तो वृद्ध मधुमक्खियों से घिरा था। जैसे-तैसे मधुमक्खियों को हटाकर वे उसे गांव लेकर पहुंचे, इसके बाद उसे शांतिपारा स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया था। यहां से रेफर करने पर स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे थे, यहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम करके मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

पुनर्वास विभाग की भूमि का पट्टा दें या इच्छा मृत्यु की मिले अनुमति

ग्रामीणों ने कहा-पीढ़ियों से बसाहट को नजरअंदाज करके रखी गई है वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन के भवन निर्माण की मंशा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर से लगे ग्राम नेहरूनगर डिगमा में स्थित भारत सरकार के पुर्नवास विभाग भूमि में पीढ़ियों से काबिज लोगों के द्वारा 18 दिसम्बर से भूमि बचाओ आंदोलन के साथ अनिश्चितकालीन धरना, प्रदर्शन किया जा रहा है। आरोप है कि एसडीएम के द्वारा उनके धरनास्थल में लगे पंडाल को प्रशासनिक आदेश नहीं होने का हवाला देकर जप्त कर लिया है, जिस कारण खुले में बैठने की नौबत बन गई है। सोमवार को कलेक्टर के जनदर्शन में आवेदन देकर इनके द्वारा काबिज भूमि का स्थायी पट्टा देने की एक बार पुन: मांग की गई है। यहां के रहवासियों का कहना है कि 3-4 पीढ़ी से काबिज लोगों की भूमि पर छत्तीसगढ़ स्टेट वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन के बिल्डिंग निर्माण की स्वीकृत दी गई है, इससे बेदखली की नौबत बनेगी। भविष्य में बनने वाली स्थिति को देखते हुए नेहरूनगर डिगमा के ग्रामीणों ने काबिज भूमि से बलपूर्वक हटाने की स्थिति में

ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत व जिला पंचायत के चुनाव का बहिष्कार करने की चेतावनी दी है। बेदखली की स्थिति में राष्ट्रपति से इच्छा मृत्यु के लिए अनुमति देने की मांग की गई है। जनदर्शन में पहुंची यशोदा, सुमित्रा मिंज, सावित्री, रामस्वरूप, सुरेश लकड़ा, सुखमेन, प्रमोद कुमार सहित अन्य ने बताया कि भारत सरकार के पुर्नवास विभाग मद की भूमि खसरा नंबर 309, 310 के 2 एकड़ भूमि पर 3-4 पीढ़ी से काबिज रहते हुए अनुसूचित जनजाति वर्ग के सैकड़ों लोग यहां अपना मकान बनाकर परिवार के साथ शांतिपूर्वक निवास कर रहे हैं। अन्य पिछड़ा वर्ग के कुछ गरीब परिवार भी यहां निवासरत हैं। इनके कब्जे की भूमि पर बने मकान व बाड़ी पर छत्तीसगढ़ स्टेट वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन की बिल्डिंग निर्माण करने की अनुशंसा सरकार द्वारा की गई है। ऐसे में छोटे-छोटे मकानों में रहने वाले परिवारों को बेदखली की चिंता सता रही है। इनके द्वारा आग्रह किया गया है कि वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन का भवन निर्माण रिहायसी इलाके से 10-15 किलोमीटर दूर शासकीय भूमि में कराया जाए। बताया गया है कि नेहरूनगर में काबिज लोगों की भूमि, मकान का छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार, कलेक्टर सरगुजा के आदेश पर तहसीलदार अंबिकापुर ने राजस्व निरीक्षक व हल्का पटवारी को सीमांकन कर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने निर्देशित किया गया था। तहसीलदार के आदेश पर ग्रामीणों की भूमि का राजस्व निरीक्षक व हल्का पटवारी ने सीमांकन की कार्रवाई कर तहसीलदार के न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया है। इन्होंने कहा है कि जिला प्रशासन द्वारा लिखित में उक्त भूमि से बेदखल नहीं करने का आदेश पारित कर दे तो वे धरना-प्रदर्शन समाप्त कर देगें। मांगों को जिला प्रशासन द्वारा पूरा नहीं किया तो इच्छा मृत्यु उनका अंतिम विकल्प होगा। बहरहाल देखना यह है प्रशासन का अंतिम निर्णय मामले में क्या होता है। जनदर्शन में आवेदन लिए अधिकारी ने ग्रामीणों को उनकी बात कलेक्टर तक पहुंचाने के लिए आश्वस्त किया है।

न्यू ईयर के मौके पार खपाने के लिए लाया था अंतर्राज्यीय शराब

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नए साल के मौके पर अवैध शराब की तस्करी को देखते हुए उपायुक्त आबकारी विजय सेन शर्मा ने उड़नदस्ता टीम को निगरानी रखने के सख्त दिशा-निर्देश दिए हैं। इसी तारतम्य में आबकारी उड़नदस्ता टीम ने 30 दिसम्बर को गस्त के दौरान बलरामपुर जिला के पुलिस चौकी बरियो अंतर्गत ग्राम ककना मोड़ में मुखबिर से मिली सूचना पर सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने उड़नदस्ता टीम के साथ दबिश देकर ग्राम आरा निवासी राजू गुप्ता उर्फ राजकुमार गुप्ता को उसके घर से कब्जे में ली और 77 पाव गोवा व्हिसकी शराब बरामद किया, जिसे वह अपने जीजा त्रिवेणी गुप्ता के सूने मकान में छिपा कर रखा था। आरोपी न्यू ईयर पर शराब बेचने के लिए बड़ी मात्रा में मध्य प्रदेश से लाया था। आरोपी के विरूद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2), 36 एवं 59(क) के तहत कार्रवाई की गई है। आरोपी को गिरफ्तार करके रिमांड के लिए राजपुर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से जेल दाखिल का आदेश प्राप्त हुआ। कार्रवाई सहायक में जिला आबकारी अधिकारी

संभागीय आबकारी उड़नदस्ता टीम ने आरोपी के जीजा के सूने मकान से 77 पाव शराब जप्त किया

रंजीत गुप्ता के साथ आबकारी विभाग के मुख्य आरक्षक रमेश दुबे, कुमारु राम, अशोक सोनी, नगर सैनिक गणेश पांडे, रणविजय सिंह, महिला सैनिक राजकुमारी व संगीता उपस्थित रहे।

सांसद भी मरघट की भूमि को नहीं करा पाए सुरक्षित, कलेक्टर से शिकायत

जनसमस्या निवारण शिविर में भी दिया था आवेदन, नहीं हुआ सीमांकन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अंबिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत परसा में गोड़ समाज के मरघट की भूमि भी सुरक्षित नहीं है। जिस स्थल में समाज के लोग दशकों से किसी संबंधी की मौत पर अंतिम संस्कार करते आ रहे हैं, वहां गांव के ही कुछ लोग कब्जा करने की नीयत रखे हैं और उक्त भूमि को स्वयं का बताने का आरोप ग्रामीणों ने लगाया है। इनका कहना है कि मरघट की जमीन पर कभी जेसीबी तो कभी फावड़ा चलाया जा रहा है। ग्रामीणों ने मरघट की भूमि का सीमांकन करने की मांग की है। कलेक्टर सरगुजा से मुलाकात करने पहुंचे मनोज कुमार सिंह, घनश्याम सिंह, सत्येन्द्र प्रताप सिंह मरकाम सहित अन्य ने बताया कि परसा ग्राम पंचायत में प्लाट नंबर 115/1 शासकीय भूमि है, जहां कई पुश्तों से गोड़ समाज के लोग अपने संबंधियों की मौत पर अंतिम संस्कार

करते आ रहे थे। पिछले 4-5 वर्षों से उक्त जमीन को कुछ लोग अपना बताकर उक्त भूमि में अतिक्रमण के लिए स्वरूप परिवर्तित करने में लगे हैं, इससे समाज के लोगों में आक्रोश है। कई बार सरगुजा सांसद चिन्तामणी महाराज को लिखित रूप से इसकी जानकारी देने के बाद भी आज तक किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गई है। इस मामले को उन्होंने गांव में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में 05 जुलाई को सामने लाया था, लेकिन 5 माह हो गए, आज तक यथास्थिति बनी हुई है। कब्जे का दायरा बढ़ते जा रहा है, जिससे भविष्य में उन्हें किसी संबंधी की मौत पर अंतिम संस्कार के लिए दिक्कत का सामना करना पड़ेगा। ग्रामीणों का कहना है कि न जाने किसके दबाव में प्रशासन भी आज तक उक्त भूमि का सीमांकन नहीं करा पाया है। इस दौरान उमेश सिंह, बरातु पोया, सूरजदेव, गुलाब सिंह, भारत सिंह, विशेश्वर, रामबिलास सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

महिला सुरक्षा और साइबर जागरूकता में अद्वितीय योगदान के लिए अतुल 5वीं बार सम्मानित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। महिला सुरक्षा और साइबर अपराध के प्रति जागरूकता लाने के लिए अतुल गुप्ता के योगदान को समाज ने बार-बार सराहा है। पुलिस मितान के रूप में उनके कार्यों ने न केवल साइबर अपराधों को कम किया, बल्कि समाज को डिजिटल युग में सुरक्षित रहने की दिशा में प्रेरित भी किया। इन्हें पांचवीं बार पुलिस अधीक्षक कार्यालय में अतिरिक्त

पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो ने प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया।

अतुल गुप्ता ने अभिव्यक्ति ऐप, 1930 हेल्पलाइन और अन्य साइबर सुरक्षा उपायों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें उन्हें आत्मरक्षा और साइबर सुरक्षा के उपाय सिखाए गए। साथ ही उन्होंने साइबर स्टॉकिंग, ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग और सायबर बुलिंग के खतरों के बारे में लोगों को जानकारी दी और उन्हें इनसे बचने के उपाय सिखाए। उन्होंने संचार साथी पोर्टल और 1930 हेल्पलाइन नंबर के महत्व को समझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनके नेतृत्व में, साइबर अपराधों से संबंधित मामलों की रिपोर्टिंग में वृद्धि हुई है, जिससे अपराधियों पर नकेल कसी जा सकी जा सकती है। इनके प्रयासों ने पुलिस और आम जनता के बीच विश्वास का एक मजबूत पुल तैयार किया है। इनकी सेवा भावना और समर्पण उन्हें समाज का आदर्श प्रहरी बनाती है जिस कारण उनके योगदान को सम्मानित करते हुए उन्हें पांचवीं बार पुरस्कृत किया गया। अतुल ने संदेश दिया है कि जब समाज के प्रति समर्पण और सेवा भाव प्रबल होता है, तब हर कार्य एक मिशन बन जाता है।

परशुराम बने सर्राफा संघ के अध्यक्ष, रंजीत सोनी सचिव व कृष्णा कोषाध्यक्ष

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सर्राफा संघ अंबिकापुर के अध्यक्ष, सचिव व कोषाध्यक्ष का निर्वाचन 28 दिसम्बर को हुआ। चुनाव अधिकारी राजेश सोनी ने इस प्रक्रिया को 15 दिन पहले से प्रारंभ कर दिया था। सर्राफा संघ के उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से परशुराम सोनी को सर्राफा संघ का अध्यक्ष चुना। कृष्णा सोनी को संघ का कोषाध्यक्ष व रंजीत सोनी को सचिव चुना गया। विदित हो कि लगभग 20 वर्षों से परशुराम सोनी सर्राफा संघ का दायित्व निभा रहे हैं। दो बार चुनाव जीतकर तथा कई बार मनोनयन के आधार पर उन्हें अध्यक्ष बनाया गया है। निर्वाचन के दौरान काफी सदस्य उपस्थित थे। चुनाव प्रक्रिया प्रारंभ करने से पहले पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर 2 मिनट मौन रहकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। नामांकन में अध्यक्ष पद के लिए दो नाम परशुराम सोनी और रंजीत सोनी, सचिव के लिए अंशुल सोनी, कोषाध्यक्ष के लिए कृष्णा सोनी का नाम आया था। इसमें से रंजीत सोनी व अंशुल सोनी ने अपना नाम वापस ले लिया था। परशुराम सोनी वर्तमान में तीन संगठनों का दायित्व निभा रहे हैं। इस दौरान बजरंगी सोनी, रविंद्र सोनी, अरुण अग्रवाल, वासुदेव सोनी, ,बलराम सोनी, योगेश, ओमप्रकाश, संतोष सोनी, आलोक सोनी, महेंद्र सोनी, रघुनंदन सोनी, प्रदीप सोनी, अशोक सोनी, अखिलेश सोनी, वायु देव सर्राफ, गणपति, कृष्णा प्रसाद, मनोज सोनी, गोविंद सोनी, रवि शंकर सोनी, राजेंद्र सोनी, रवि सोनी, पंकज वर्मा, लकी सोनी, मुकेश सोनी, विश्वनाथ सोनी सहित अन्य उपस्थित थे।

निक्षय-निरामय अभियान के तहत चलाया जा रहा है विशेष अभियान

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर राजेन्द्र कटारा के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में नि:क्षय-निरामय अभियान के तहत 100 दिवसीय पहचान एवं उपचार अभियान 07 दिसंबर 2024 से 23 मार्च 2025 तक चलाया जा रहा है। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जानकारी दी है कि सभी ग्रामों में लक्ष्य अनुरूप कुष्ठ एवं टीबी के मरीजों का पहचान एवं उपचार किया जा रहा है। इसके साथ ही 60 वर्ष से अधिक आयु वाले लोगों के लिए अनिवार्य रूप से जांच और एक्स-रे किया जा रहा है। किसी की भी स्क्रिनिंग न छुटे यह प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए सभी पीएचसी को निर्देशित किया गया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के द्वारा बताया गया कि टीबी की प्रारंभिक पहचान दो सप्ताह तक की खांसी, वजन कम होना, रात में बुखार और पसीना आना, भूख न लगना, जैसे लक्षणों को चिन्हांकित कर बलगम की जांच ट्रुनॉट मशीन के द्वारा किया जा रहा है। यह मशीन जिले के समस्त विकासखण्ड में उपलब्ध है। आम तौर पर नियमित शराब का सेवन करने वाले, तम्बाकू, गुड़ाखु, बीडी व सिगरेट के आदी लोगों में यह लक्षण होते हैं तो उन्हें जागरूक कर एक्स-रे जांच कराया जाना है। इसके साथ-साथ अभियान का मुख्य उद्देश्य टीबी मरीजों का जांच कर उन्हें उपचार सुविधा उपलब्ध कराना है। इसके लिए पुरानी खांसी, अनुवांशिक हिस्ट्री, कुपोषित लोगों को संदेह के दायरे में रखा गया है। लक्षणात्मक मरीजों का एक्स-रे एवं बलगम की जांच मशीन के द्वारा कर पुष्टि होने पर नि:शुल्क उपचार किया जाएगा।

गरीबों के पक्के आवास के सपने को साकार कर रही

प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना

★ पहाड़ी कोरवा परिवारों के बनने लगे आशियाने

★ अंतिम व्यक्ति तक विकास की पहुंच शासन प्रशासन की प्राथमिकता

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। ''प्रधानमंत्री जनमन योजना'' विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के लोगों के लिये वरदान साबित हो रहा है। प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच एवं मुख्यमंत्री की सुशासन की सरकार विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के परिवार के लिए पक्का मकान का सपना पूरा करने दृढ़ संकल्पित होकर कार्य कर रही है। इसके तहत जिले के पहाड़ी कोरवा परिवारों को शासन की जनकल्याणकारी योजना का प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है।

जिले के विकासखण्ड बलरामपुर के ग्राम पंचायत पस्ता की निवासी श्रीमती कुंती पहाड़ी कोरवा जिन्हें प्रधानमंत्री जनमन योजना अंतर्गत पीएम जनमन आवास योजना का लाभ मिला है। श्रीमती कुंती बताती है कि वह अपनी पति और अपने दो छोटे बच्चों के साथ कच्चे मकान मे विगत कई वर्षों से रह रही थी। इसी दौरान ग्राम पंचायत के माध्यम से पीएम जनमन योजना की जानकारी मिली। जिसमें आवेदन पश्चात कुंती को इस योजना से वित्त वर्ष 2023-24 मे आवास की स्वीकृति मिली। जिसमें पहली किस्त के रूप में 40 हजार रूपये मिला, पहली किस्त की राशि मिलते ही पक्का मकान का सपना पूरा होने का भरोसा जगा। पीएम जनमन आवास योजना हेतु किस्तों में कुल 2 लाख रुपए की राशि मिली। देखते ही देखते सपनो का आशियाना बन गया। साथ ही 90 दिवस की मनरेगा से पैसा भी मिला। कुन्ती के पति श्री बाल कुमार बताते हैं कि हम विगत कई सालों से कच्चे झोपडीनुमा मकान मे रह रहे थे। हमें शासन द्वारा 5 डिसमिल जमीन का वन अधिकार पट्टा भी मिला है और इसी जमीन पर पक्का मकान बन गया। आगे बताते हैं कि हम मजदूरी करके अपने परिवार का जीवनयापन करते हैं, हमारा मजदूरी के अलावा आय का कोई दूसरा साधन नही है और वर्तमान के इस मंहगाई के समय मे हम झोपड़ीनुमा मकान में रहने में विभिन्न परेशानियों का सामना करना पड़ता था। बरसात में छप्पर से पानी टपकने की चिन्ता के साथ ठण्ड के मौसम सपने में भी कभी नही सोच सकते थे कि हमारा कभी पक्का मकान होगा। लेकिन प्रधानमंत्री के पीएम जनमन योजना से मुश्किलें आसान हुई है। हितग्राही कुन्ती पहाड़ी कोरवा अपने पुराने दिनो को याद करते हुये कहती हैं कि कच्चे में मिट्टी के दीवार के कारण सीलन से ठण्ड भी लगती थी। परिवार में छोटे बच्चे होने के कारण मिट्टी के घर मे सांप, बिच्छु निकलने का भी भय बना रहता था पर अब पक्के आवास में छत से पानी टपकने की चिंता ही खत्म नहीं हुई है, साथ ही छोटे जीवों के डर से भी छुटकारा मिला है। कुन्ती को न केवल आवास मिला है बल्कि महतारी वंदन योजना के तहत प्रति माह 1 हजार रूपए की सहायता राशि भी मिल रही है। पहाड़ी कोरवा कुन्ती ने सरकार द्वारा चलाई जा रही महत्वाकांक्षी पीएम जनमन योजना के लिए प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को धन्यवाद भी दिया है। ये कहानी कुन्ती पहाड़ी कोरवा जैसे कई पहाड़ी कोरवा परिवार की है। योजनांतर्गत पहाड़ी कोरवा परिवारों के सपनों को पूरा करने का संकल्प सरकार ने लिया है और विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा परिवारों के उत्थान के लिए प्रयासरत है।

28 फरवरी 2025 तक होगा राशनकार्ड का नवीनीकरण

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला खाद्य अधिकारी ने बताया है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत जिले में प्रचलित राशनकार्डों का नवीनीकरण किया जाना है। छत्तीसगढ़ शासन खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा राशनकार्ड नवीनीकरण हेतु शेष बचे राशनकार्डों के नवीनीकरण की अंतिम तिथि 28 फरवरी 2025 तय की गई है। उक्त अवधि में नवीनीकरण हेतु शेष राशन कार्ड धारक राशनकार्ड का नवीनीकरण अपने संबंधित शासकीय उचित मूल्य दुकान में उपस्थित होकर या अपने एंड्रॉयड मोबाइल मे राशन कार्ड नवीनीकरण एप के माध्यम से राशनकार्ड नवीनीकरण का आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए संबंधित विभाग से कार्यालयीन समय में सम्पर्क किया जा सकता है।

डीएवी में दो दिवसीय परफॉर्मेंस इन्हेन्समेंट प्रोग्राम का समापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर के डीएवी पब्लिक स्कूल में सूरजपुर क्लस्टर एवं जोन बी क्लस्टर का संयुक्त रूप से 28 व 29 दिसंबर को दो दिवसीय परफॉरमेंस इन्हेन्समेंट प्रोग्राम का सफल समापन हुआ। कार्यशाला में हिंदी, गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन विषयों एवं एलकेजी से दूसरी कक्षा तक के लिए ईईडीपी कार्यशाला में विविध डीएवी स्कूलों सहित 11 स्कूलों से 107 प्रशिक्षार्थी अध्यापक-अध्यापिकाएं शामिल हुए। कार्यशाला के समापन सत्र का शुभारंभ डीएवी गान से किया गया। इस अवसर पर वेन्यू इंचार्ज एच के पाठक ने कहा कि डीएवी संस्थान छत्तीसगढ़ जोन के क्षेत्रीय अधिकारी एवं प्रशिक्षण समन्वयक प्रशांत कुमार के निर्देशन में दो दिवसीय कार्यशाला का सफल समापन हो पाया। उन्होंने कहा कि शिक्षा व अध्यापन कार्य में गुणात्मक विकास एवं बेहतर परीक्षा परिणाम के साथ-साथ विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों का विकास अत्यावश्यक है।

ऐसी कार्यशाला से विविध कौशलों के विकास के साथ साथ बच्चों का सर्वांगीण विकास का भी होता है।कार्यशाला के सभी विषय समन्वयकों केडी शर्मा, एसके पांडेय, एसके श्रीवास्तव, राकेश कुटटन एवं श्रीमती विधु शर्मा ने अपने वक्तव्य में ऐसी कार्यशाला को निश्चित रूप से शिक्षकों में कौशल विकास एवं तकनीकी ज्ञान व स्वयं को संबंधित विषय में अपडेट रखने का सशक्त माध्यम बताया। इससे विभिन्न विषयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं विषय संबंधी अनेक समस्याओं का निराकरण प्राप्त कर पाते हैं और संबंधित विषय के नवाचार से अवगत होते हैं। वे तकनीकी ज्ञान भी अर्जित करते हैं, जिससे विद्यार्थी लाभान्वित होते हैं। सभी विषय विशेषज्ञों ने अपनी कड़ी मेहनत से विषयगत अनेक समस्याओं का समाधान कर शिक्षकों को नवप्रवर्तन से अवगत कराया। उन्होंने सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान एवं कौशलों को कक्षा में व्यावहारिक रूप देने के लिए प्रेरित किया।प्रशिक्षार्थियों एवं विषय विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा करते हुए उक्त कार्यशाला को अधिगम प्रक्रिया, कौशल विकास, ज्ञानार्जन एवं तकनीकी कौशल की दृष्टिकोण से व्यवहारिक, सार्थक एवं औचित्यपूर्ण बताया। उन्होंने इसे विद्यार्थियों के लिए अधिक अत्यधिक प्रभावी एवं लाभदायक बताया। कार्यक्रम में मंच संचालन वरिष्ठ अध्यापिका हेलेना फ्रांसिस ने किया। वरिष्ठ हिंदी अध्यापक एएम चौबे द्वारा आभार ज्ञापन कर सामूहिक शांति पाठ के साथ आयोजन का समापन किया गया।

अंडर 19 क्रिकेट प्रतियोगिता में अविनाश का हुआ चयन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा अंडर 19 क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए गत दिनों क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी गई है। घोषित सोलह सदस्यीय टीम में सरगुजा से अविनाश ठाकुर का चयन किया गया है। सरगुजा संभाग से तीन युवाओं को टीम में जगह मिली है। बताया जा रहा है कि क्रिकेट संघ द्वारा 2025-26 के लिए पुरुषों की अंडर 19 एलीट ग्रुप मल्टी डे इंटर डिस्ट्रिक्ट टूर्नामेंट के लिए 16 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। अविनाश ठाकुर बिश्रामपुर निवासी अरविंद ठाकुर के पुत्र हैं। अविनाश वर्तमान में पीजी कॉलेज बीकॉम प्रथम वर्ष में अध्ययनरत हैं। क्रिकेट में रुचि रखने वाले अविनाश विद्यालय स्तर की क्रिकेट स्पर्धा में अपना हुनर दिखा चुके हैं।

समाज एवं राष्ट्र के विकास के लिए मिलजुलकर कार्य करना जरूरी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शासकीय आजाक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जयनगर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई कंदरई का सात दिवसीय विशेष ग्रामीण शिविर मेरा युवा भारत के लिए युवा थीम पर में 23 से 29 दिसंबर तक आयोजित किया गया। शिविर का समापन रविवार को किया गया। शिविर के दौरान ग्राम में रासेयो के स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न रचनात्मक एवं क्रियात्मक गतिविधियां संपन्न की गई। जिसमें स्वच्छता, नशा मुक्ति एवं सांस्कृतिक रैली गांव की गलियों चौक-चौराहों, नालियों एवं हैंडपंप स्थलों की साफ सफाई, सांस्कृतिक एवं बौद्धिक कार्यक्रमों के साथ सामुदायिक भवनों की साफ सफाई शासकीय आजाक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व स्वामी आत्मानंद विद्यालय जयनगर परिसर में चार चबूतरों का निर्माण कार्य स्वयंसेवकों द्वारा किया गया। इस दौरान स्वयंसेवकों द्वारा नुक्कड़ नाटकों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामवासियों को नशे से दूर रहने, बाल विवाह के दुष्परिणाम, महिला सशक्तिकरण, सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी न करने के साथ ही गांव के विकास में सामूहिक रूप से योगदान देने का अपनी रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से संदेश दिया गया। पशु चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें पशुपालकों को विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी के साथ निःशुल्क दवाओं का वितरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य एवं नेत्र प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणजन का इलाज कर दवाओं का वितरण किया गया। नेत्र परीक्षण के दौरान पांच लोगों को चश्मे का वितरण किया गया। समापन कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम अधिकारी राजीव कुमार सिंह द्वारा सात दिवसीय विशेष के दौरान ग्राम में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की जानकारी प्रतिवेदन के माध्यम से दी गई। शासकीय आजाक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जयनगर की प्राचार्य श्रीमती कालिस्ता अक्खड़ ने कहा कि समाज एवं राष्ट्र के विकास के लिए जरूरी है कि हम मिलजुल कर कार्य करें। स्वयंसेवकों ने ग्राम में विभिन्न प्रकार के रचनात्मक एवं क्रियात्मक कार्यों द्वारा ग्रामवासियों के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत किया है, हमें इसे आगे भी कायम रखना है। युवाओं में नशे की बढ़ती लत पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने आह्वान किया। कार्यक्रम में पूर्व प्राचार्य लखन लाल सोनकर, व्याख्याता हिमांशु सिन्हा, सहायक कार्यक्रम अधिकारी उर्मिला सिंह, वेद प्रकाश मिश्रा, सरपंच विजय सिंह, देवधन राम बिंझिया, शांतनु सिंह चौहान, देवशरण सिंह, सचिव सियाराम राजवाड़े, उपसरपंच अफरोज, किरण चंद्र, इकबाल सोनू, बृजेश, विनोद कुमार, ब्रह्मदेव सहित स्वयंसेवक सुमेधा सिंह, शशिकला, सिकंदर, देवनंदन, मृगेंद्र, उमेश्वरी, रीना, गीता, अंजू सिंह, रामकृष्ण यादव, सुषमा, राखी, कौशल्या, सावित्री, खुशबू, देवंती, कुसुम, सरिता, लक्ष्मनिया, प्रियंका सिरदार, दीपक सिंह सहित अन्य स्वयंसेवक सक्रिय रहे।

नपं की गठित सरकार का महज एक सप्ताह बचा अधिकार

प्रशासक नियुक्त कर परिषद संचालन का कराया जाएगा कार्य

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर पंचायत बिश्रामपुर की नगर सरकार का कार्यकाल अब महज सप्ताह भर में पूर्ण हो जाएगी। नगर सरकार की कार्यकाल पूर्ण होने उपरांत अध्यक्ष व पार्षदों का निर्वाचन शून्य हो जायेगा और नगर सरकार में परिषद संचालन की जिम्मेदारी प्रशासक के पास हो जाएगी। गौरतलब है कि नगर पंचायत बिश्रामपुर के अध्यक्ष व पार्षदों द्वारा 6 जनवरी 2019 को यहां पर शपथ ग्रहण कर कार्यभार संभाल लिया गया था। इसके बाद अब पांच वर्ष का कार्यकाल 6 जनवरी 2025 को पूरा होने उपरांत अध्यक्ष व पार्षद यहां अब प्रशासक द्वारा परिषद संचालन हेतु बागडोर संभाल लिया जाएगा। नगर पंचायत बिश्रामपुर के इतिहास में ऐसा पहली बार होगा जब निर्धारित अवधि में निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण न होने की वजह से नगर सरकार के कार्यकाल पूरी होने उपरांत प्रशासक द्वारा परिषद संचालन किया जाएगा। ज्ञात हो कि नगरीय निकायों में चुनाव इस बार समय पर नहीं हो सके हैं। यदि निकायों की चुनाव प्रक्रिया समय पर पूरे हो जाते तो शायद प्रशासक की बजाए नई नगर सरकार द्वारा शपथ ग्रहण कर अपना कार्यभार संभाल लिया जाता। इस बार नगरीय निकायों में चुनाव में विलंब होने की वजह से साय सरकार द्वारा विधेयक भी पास कर लिया गया है, जिससे निकायों में प्रशासकों की नियुक्ति हो जाएगी। अब यहां पर नगर पंचायत बिश्रामपुर में प्रशासक के रूप में किसकी नियुक्ति होगी, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है लेकिन कयास लगाए जा रहे हैं कि पिलखा नायब तहसीलदार को प्रशासक की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। प्रशासक को नियुक्ति उपरांत नगर पंचायत बिश्रामपुर के कामकाज को चलाने और उनके अधिकार क्षेत्र में आने वाले निर्णय लेने की जिम्मेदारी रहेगी। इसके बाद जब तक यहां पर नगर पंचायत बिश्रामपुर में अध्यक्ष व पार्षदों का चुनाव प्रक्रिया पूर्ण नहीं हो जाएगा तब नगर सरकार की जिम्मेदारी प्रशासक के पास होगा। यहां पर प्रशासक की नियुक्ति को लेकर आमजन में चर्चाओं का दौर शुरू हो चुका है। ज्ञात हो कि निर्वाचन आयोग के निर्देश पर नगर पंचायत बिश्रामपुर के आम निर्वाचन 2024-25 कराए जाने हेतु फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली तैयार करने के लिए पूर्व में जारी निर्वाचक नामावली तैयार करने के कार्यक्रम समय-अनुसूची में संशोधन किया गया है। इसके अनुसार निर्वाचक नामावली तैयार करने का 1 जनवरी 2025 के प्रतिनिर्देश से निर्वाचक नामावली तैयार करने के कार्यक्रम समय-अनुसूची के द्वितीय चरण अंतर्गत 31 दिसम्बर मंगलवार को निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन कर दावा तथा आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। साथ ही मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को निर्वाचक नामावली उपलब्ध कराया जाएगा। दावे-आपत्तियां प्राप्त करने की अंतिम तिथि 6 जनवरी को अपरान्ह 3 बजे तक निर्धारित की गई है। दावा-आपत्तियों का निपटान 9 जनवरी तक किया जाएगा। प्रारूप क्रमांक 1 में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को दावा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 10 जनवरी तक है। प्रारूप क्रमांक 1 में प्राप्त दावा का निराकरण करने की अंतिम तिथि 11 जनवरी है। निराकरण आदेश पारित होने के 5 दिवस के भीतर दावा-आपत्तियों के निराकरण आदेश के विरूद्ध अपील की जा सकती है। 14 जनवरी तक परिवर्धन, संशोधन, विलोपन के प्रकरणों के प्रविष्टि सॉफ्टवेयर में करने, चेकलिस्ट का निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा जांच करवाना तथा पीडीएफ मुद्रण हेतु जिला कार्यालय को सौंपने तथा अनुपूरक सूची का मुद्रण कराना और अनुपूरक सूची को मूल सूची के साथ संलग्न करने की कार्रवाई की जाएगी। निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 15 जनवरी तक किया जाएगा। ऐसी स्थिति में यहां पर जो 9555 मतदाता हैं, उसमें भी उलटफेर होने की संभावना जताई जा रही है।

जारी निर्देश का होगा पालन

नगर पंचायत बिश्रामपुर के अध्यक्ष व पार्षदों के कार्यकाल पूरी होने उपरांत शासन स्तर पर जारी निर्देश का पालन करते हुए कार्य किया जाएगा। यहां पर प्रशासक की नियुक्ति हेतु प्रक्रिया शासन-प्रशासन स्तर पर पूरी की जाएगी।

सुशील कुमार तिवारी
सीएमओ, नपं बिश्रामपुर

नगरीय निकाय व त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन

फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली तैयार करने जारी हुआ संशोधित कार्यक्रम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। नगरीय निकाय आम निर्वाचन हेतु फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली तैयार करने के लिए पूर्व में जारी निर्वाचक नामावली तैयार करने के कार्यक्रम में संशोधन किया गया है। इसके अनुसार निर्वाचक नामावली तैयार करने का 1 जनवरी के प्रतिनिर्देश से निर्वाचक नामावली तैयार करने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम के द्वितीय चरण अंतर्गत मंगलवार 31 दिसम्बर को निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन कर दावा तथा आपत्तियां प्राप्त किया जाएगा तथा मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को निर्वाचक नामावली उपलब्ध कराया जाएगा। दावे-आपत्तियां प्राप्त करने की अंतिम तिथि सोमवार 6 जनवरी को अपरान्ह 3 बजे तक निर्धारित की गई है। जिसका निपटान गुरुवार 9 जनवरी तक किया जाएगा। प्रारूप क-1 में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को दावा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि शुक्रवार 10 जनवरी तक है। जिसके निराकरण करने की अंतिम तिथि 11 जनवरी है। निराकरण आदेश पारित होने के 5 दिवस के भीतर दावा-आपत्तियों के निराकरण आदेश के विरूद्ध अपील की जा सकती है। 14 जनवरी तक परिवर्धन, संशोधन, विलोपन के प्रकरणों के प्रविष्टि सॉफ्टवेयर में करने, चेकलिस्ट का निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा जांच करवाना तथा पीडीएफ मुद्रण हेतु जिला कार्यालय को सौंपने तथा अनुपूरक सूची का मुद्रण कराना और अनुपूरक सूची को मूल सूची के साथ संलग्न करने की कार्रवाई की जाएगी। निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 15 जनवरी तक किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2024-25 के लिए भी लागू किया गया है।

शराब घोटाला : अब सियासी हस्तियों पर कसा ईडी का शिकंजा...

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । छत्तीसगढ़ में हुए कथित शराब घोटाले की जांच में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अब प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ सियासी हस्तियों पर भी शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। हाल ही में ईडी ने राज्य के पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा, उनके पुत्र, और करीबी लोगों के ठिकानों पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान ईडी ने दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और पूर्व मंत्री लखमा व उनके पुत्र का मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। ईडी ने मामले में कवासी लखमा

समेत अन्य लोगों को समन जारी करते हुए पूछताछ के लिए कार्यालय बुलाया है। इस समन के बाद घोटाले में शामिल अन्य व्यक्तियों की गिरफ्तारी की आशंका बढ़ गई है।

जांच का दायरा बढ़ा

ईडी ने कवासी लखमा के अलावा कांग्रेस नेता सुशील ओझा, सुकमा नगर पालिका अध्यक्ष राजू साहू, और सद्दाम सोलंकी को भी समन भेजा है। बताया जा रहा है कि ईडी ने ओझा और सोलंकी के ठिकानों पर भी छापेमारी की, लेकिन दोनों अपना मोबाइल फोन छोड़कर फरार हो गए।

मुख्य आरोपी और घोटाले का तरीका

इस मामले में रायपुर के महापौर एजाज ढेबर के भाई अनवर ढेबर, अरुण पति त्रिपाठी, और अनिल टुटेजा को मुख्य आरोपी माना जा रहा है। ईडी की रिपोर्ट के मुताबिक, शराब घोटाले से प्राप्त धनराशि में से हर महीने 50 लाख रुपये कवासी लखमा तक पहुंचाए जाते थे। आरोप है कि इस घोटाले में नकली होलोग्राम का इस्तेमाल कर सरकारी शराब दुकानों से बड़ी मात्रा में शराब की अवैध बिक्री की गई। ईडी ने इस मामले में होलोग्राम बनाने वाली कंपनी को भी आरोपी बनाया है।

राजनीतिक हलचल तेज

शराब घोटाले में ईडी की तेज कार्रवाई ने प्रदेश की राजनीति में हलचल मचा दी है। कांग्रेस सरकार पर सवाल खड़े हो रहे हैं, वहीं विपक्ष ने भी मामले को लेकर आक्रामक रुख अपनाया है। घोटाले की जांच के दौरान और भी बड़े नाम सामने आने की संभावना है। घोटाले में हर रोज नए खुलासे हो रहे हैं, जिससे प्रदेश की राजनीति और प्रशासन में हलचल मची हुई है। ईडी की आगामी कार्रवाई पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

छत्तीसगढ़ में कृषि-पशुपालन को नई दिशा देने वाला उपकरण फोल्डस्कोप

मिट्टी की गुणवत्ता और पौधों की बीमारियों का पता लगाने में सक्षम हो रहे किसान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राज्य के किसानों को उन्नत कृषि उपकरणों के उपयोग और वैज्ञानिक पद्धति को अपनाने के लिए लगातार प्रोत्साहित किए जा रहा है, जिसके सार्थक परिणाम भी सामने आने लगे है। छत्तीसगढ़ राज्य कृषि प्रधान राज्य है। यहां की 70 प्रतिशत से अधिक आबादी खेती किसानी पर निर्भर है। छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था की धुरी भी कृषि है। छत्तीसगढ़ को खुशहाल और समृद्ध बनाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार किसानों को हर संभव मदद दे रही है।

छत्तीसगढ़ में फसलों के कीट प्रकोप प्रबंधन और उन्नत नस्ल के पशुपालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किसानों को फोल्डस्कोप माइक्रोस्कोप के उपयोग के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया जा रहा है। राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान के सहयोग से राज्य के 20 जिलों के किसानों को फोल्डस्कोप नामक पोर्टेबल माइक्रोस्कोप वितरित किया गया है, जिसका उद्देश्य किसानों को खेती और पशुपालन में वैज्ञानिक तकनीकों से सशक्त बनाना है। रायगढ़, जांजगीर-चांपा, बलौदाबाजार-भाटापारा, रायपुर, धमतरी, दुर्ग, राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, कोरिया, सरगुजा, जशपुर, कोरबा, सक्ती, महासमुंद, बिलासपुर, मुंगेली, कबीरधाम, बेमेतरा, कांकेर और बस्तर जिलों के 30 से अधिक गांवों में फैले इस कार्यक्रम को आईसीएआर - राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। फोल्डस्कोप एक किफायती और पोर्टेबल माइक्रोस्कोप है, जिसे स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के भारतीय-अमेरिकी वैज्ञानिक प्रोफेसर मनु प्रकाश और उनकी टीम ने विकसित किया है। इसे 2014 में लॉन्च किया गया था और तब से इसका उपयोग शिक्षा, शोध और निदान के लिए किया जा रहा है।

निकाय चुनाव टालने षडयंत्र रच रही है भाजपा सरकार : कांग्रेस

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि स्थानीय निकाय चुनाव टालने के लिए भाजपा सरकार लगातार षडयंत्र रच रही है। परिसीमन से लेकर आरक्षण तक प्रक्रिया में अव्यावहारिक बदलाव करके चुनाव को बाधित कर रहे हैं। महापौर के लिए आरक्षण की प्रक्रिया अकारण ही 10 दिन आगे बढ़ा दिया गया। असलियत यह है कि भाजपा सरकार नगरीय निकाय चुनाव की प्रक्रिया में जाने से डर रही, लगातार बहाने कर रही है। पहले अध्यादेश और अब पंचायत अध्यक्षों और महापौर के आरक्षण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया। जनता साय सरकार के कामकाज से बेहद नाराज है, बिगड़ती कानून व्यवस्था, धान खरीदी में

कुप्रबंधन, आरक्षक भर्ती घोटाला, महतारी वंदन योजना में भ्रष्टाचार, अपराध, अपराधियों और भ्रष्टाचारियों को संरक्षण से यह सरकार जनता का भरोसा खो चुकी है, इसलिए चुनाव टाला जा रहा है। सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि कांग्रेस के दबाव में बैलेट पेपर पर चुनाव कराने मजबूर हुए साय सरकार। कांग्रेस की मांग है कि केवल स्थानीय निकाय ही नहीं, हर चुनाव बैलेट पेपर से होना चाहिए, विश्वसनीयता के लिए पारदर्शिता आवश्यक है। लोकतंत्र पर आम जनता का भरोसा कायम रहे इसके लिए बैलेट पेपर से चुनाव आवश्यक है। एक साल हो गए भारतीय जनता पार्टी की छत्तीसगढ़ में सरकार बने, लेकिन अब तक यह कह रहे हैं कि तैयारी नहीं हो पाई है, महापौर और पालिका अध्यक्ष के लिए आरक्षक प्रक्रिया आगे बढ़ा दिए, आरक्षण के नियमों में अव्यावहारिक बदलाव कर दिए, आरक्षित वर्ग के अधिकारों में दुर्भावना पूर्वक कुठाराघात किया गया है। तरह तरह के बहाने बनाकर स्थानीय निकाय चुनाव को टाला जा रहा है। हार के डर से भाजपा सरकार स्थानीय निकाय चुनाव से भाग रही है।

गणतंत्र दिवस समारोह के लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किए निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस समारोह पूरे प्रदेश में गरिमापूर्वक मनाया जाएगा। राजधानी के पुलिस परेड ग्राउण्ड में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मुख्य समारोह का आयोजन होगा। राज्यपाल रमेन डेका इस समारोह में प्रातः 9 बजे ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा आज एक परिपत्र जारी कर गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन के लिए समस्त विभाग, समस्त संभागायुक्त, समस्त कलेक्टर एवं समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को पूर्व के वर्षों की भांति इस वर्ष भी स्कूली बच्चों के कार्यक्रम तथा अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन करने के निर्देश भी दिए गए हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राज्य स्तरीय आयोजन में राज्यपाल द्वारा ध्वजारोहण एवं परेड की सलामी के पश्चात उनका उद्बोधन होगा। इसके अलावा समारोह स्थल पर विभिन्न विभागों/संस्थानों द्वारा चलित झांकियों का प्रदर्शन किया जाएगा और पदक अलंकरण समारोह भी होगा। समारोह स्थल में रंगीन गुब्बारे भी उड़ाए जाएंगे। राज्य स्तर पर होने वाले परेड में सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, डीएफ, जेल पुलिस बल, होमगार्ड, एसटीएफ कमांडो, बीएसएफ, आईटीबीटी एवं अन्य सशस्त्र बल की टुकड़ियां भी शामिल होंगी। जिला मुख्यालयों

में शासन द्वारा विनिर्दिष्ट मंत्रीगण द्वारा ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली जाएगी एवं मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी पत्र में स्पष्ट किया गया है कि केवल जिला मुख्यालयों को छोड़कर अन्य किसी भी स्थान में परेड नहीं होगी। यहां के परेड में सेना (जहां उपलब्ध हो), पुलिस, नगर सेना, जेल प्रहरी की टुकड़ियां भाग लेंगी। समारोह में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम गरिमामय एवं रूचिपूर्ण हों। साथ ही जनपद पंचायत या तहसील स्तर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष द्वारा एवं ऐसी नगर पालिका/नगर पंचायत जिनका मुख्यालय ब्लॉक मुख्यालय पर नहीं है, उनमें नगर पालिका/नगर पंचायत के अध्यक्ष द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा। पंचायत मुख्यालयों में सरपंच द्वारा एवं बड़े गांवों में, गांवों के मुखिया द्वारा ध्वजारोहण किया जाकर, सामूहिक रूप से राष्ट्रीय गान गाए जाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश की राजधानी रायपुर और अन्य जिला मुख्यालयों में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह प्रातः 9 बजे से प्रारंभ होगा, इसे देखते हुए रायपुर व अन्य जिला मुख्यालयों में स्थित शासकीय कार्यालयों में ध्वजारोहण कार्यक्रम प्रातः 9 बजे से पूर्व सम्पन्न कर लिया जाए, ताकि इन कार्यालयों के अधिकारी-कर्मचारीगण जिले के मुख्य समारोह में भाग ले सकें। विभाग और कार्यालय प्रमुख द्वारा उनके शासकीय कार्यालयों में ध्वजारोहण का कार्यक्रम आयोजित कर सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया जाएगा।

पुलिस पस्त है बेखौफ अपराधी मस्त है

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बंथरा। नगर पंचायत बंथरा में पिछले कुछ दिनों से चोरी सहित अन्य अपराध बढ़ गए हैं। लोगों का कहना है कि पुलिस की नियमित रूप से गश्त नहीं होने के कारण चोरी की घटनाओं में इजाफा हुआ है। वहीं हर वर्ष की तरह इस बार भी ठंड के मौसम में चोरी की घटनाएं और बढ़ने की आशंका है। ऐसे में लोगों ने रात्रिकालीन गश्त बढ़ाने की मांग की है। स्थानीय लोगों से बातचीत की गई। जिसमें 70 फीसदी से ज्यादा लोगों का कहना था कि पुलिस की गश्त कमजोर है। क्षेत्र के अधिकांश वार्डों के नागरिकों का कहना है कि वार्डों में एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में गश्ती नहीं की जा रही है वहीं दूसरी तरफ ठंड की शुरूआत में ही चोरों ने वारदातों को अंजाम देना भी शुरू कर दिया है। पूर्व में ही चोरी और लूट के मामलों का खुलासा नहीं होने से भी पुलिस की कार्यप्रणालियों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। क्षेत्र का इतिहास रहा है कि ठंड के बढ़ते ही चोरियों की वारदातें बढ़ जाती हैं, क्योंकि ठंड में पुलिस की गश्त नहीं होती है। पुलिस द्वारा रात में विशेष गश्ती के दावे तो किए जाते हैं लेकिन शहर के विभिन्न वार्डों में रहने वाले लोग पुलिस द्वारा गश्ती नहीं करने की बात कह रहे हैं।

पार्षद रामनरेश रावत ने इंटरलॉकिंग रोड और पक्की नाली निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

गंदा पानी पूरे रास्ते में फैलने से मस्जिद में नमाज पढ़ने जाने में लोगों को हो रही थी दिक्कत, रामनरेश रावत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर द्वितीय वार्ड के पार्षद रामनरेश रावत एडवोकेट ने रविवार को अपने वार्ड में इंटरलॉकिंग रोड और पक्की नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। यह शिलान्यास पूजा पाठ के साथ ही शशि प्रकाश सिंह से नारियल तुड़वाकर किया गया। पार्षद ने बताया कि वार्ड में अवध विहार कॉलोनी स्थित रफीक के घर से शशि प्रकाश सिंह के घर होते हुए आमिर जनरल स्टोर तक करीब 130 मीटर लंबे कच्चे रास्ते को नगर निगम निधि के 10 लाख

रुपए से इंटरलॉकिंग सड़क में परिवर्तित किया जाएगा। साथ ही बगल में पक्की नाली का निर्माण भी होगा। उन्होंने बताया कि अभी तक कच्चा रास्ता और नाली ना बने होने के कारण घरों से निकला गंदा पानी पूरे रास्ते में फैल कर बहता था। जल निकासी न होने की वजह से रास्ते में हमेशा जल भराव बना रहता था। लोगों को आने-जाने में काफी दिक्कतें होती थी। इसकी वजह से लोग मस्जिद में नमाज पढ़ने नहीं जा पा रहे थे। लेकिन अब इंटरलॉकिंग सड़क और पक्की नाली बन जाने से उनकी यह समस्या दूर हो जाएगी। सभी लोग आसानी से इस रास्ते से आ जा सकेंगे। पार्षद ने बताया कि केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विधायक राजेश्वर सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, भाजपा नगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, मंडल अध्यक्ष केके श्रीवास्तव और नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह के सहयोग से यह कार्य होने जा रहा है। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान प्रीतम सिंह, अनिल दुबे, संतोष त्रिपाठी, उमर खान, अजय सिंह, मोहम्मद अशरफ, इरफान, अजय सिंह, अहमद याकूब और सुनील शुक्ला सहित कॉलोनी के तमाम लोग मौजूद रहे।

गड्ढों में तब्दील हुई सड़क, राहगीर परेशान, जिम्मेदार मौन

बंथरा। सरोजनीनगर विधानसभा के तमाम गांवों की सड़के गड्ढों में तब्दील हो गई है। लेकिन जिम्मेदार हाथ पर हाथ रखकर बैठे हुए है। ऐसा ही हाल ग्राम सभा गढ़ी चुनौटी का है। गढ़ी गांव की सड़क काफी दिनों से टूटी पड़ी हुई है। जिसका जिक्र कई बार क्षेत्रिय लोगों के द्वारा जनप्रतिनिधियो से लेकर अन्य जिम्मेदारो तक किया गया लेकिन अभी तक किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नही हुई। इतना ही नहीं कई बार समाचार पत्रों के माध्यम से भी इस टूटी हुई सड़क का प्रकाशन किया गया बावजूद इसके अभी तक न ही इस सड़क की मरम्मती की गई

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०-./अ-6/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदिका श्रीमती ऑचल सोनी पति श्रीकान्त सोनी, निवासी ब्रम्हरोड़ पंचशील गली, अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदिका द्वारा अनावेदकगण अब्दुल जुनैद, अब्दुल तारिक, अब्दुल इमरोज सभी आ.स्व. अब्दुल रसीद, सरबरी बेगम पत्नि स्व० अब्दुल रसीद, निवासी ग्राम महगंवा भैयाथान रोड़, जिला सूरजपुर के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर, मोहल्ला ब्रम्हरोड़ स्थित शीट नं. 03 की नजूल भूमि प्लॉट नंबर 891 में से रकबा 4.82 डिसमिल (2099.82 वर्गफीट) भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 16.12.2024 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदिका द्वारा क्रयशुदा उक्त भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-15/01/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 26/12/2024 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०-./अ-6/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदकगण नारायण कुमार मजुमदार, राकेश मजुमदार, माया राय, शीला मजुमदार सभी आ.स्व. पी.बी. मजुमदार, कृष्णा मजुमदार पति स्व. अशोक मजुमदार, निवासी भट्टी रोड, अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदकगण क्र. 1 से 4 की माता तथा 5 की सास श्रीमती अमोली बाई मजुमदार पति स्व. पी.बी. मजुमदार के स्वामित्व व अधिपत्य की नजूल लीज हक की भूमि शीट नं. 04, मोहल्ला- केदारपुर, नगर अम्बिकापुर स्थित प्लाट नम्बर 1980/8 रकबा 0.10 एकड़ भूमि है। श्रीमती अमोली बाई मजुमदार की मृत्यु दिनांक 29.02.2004 को हो गई है। अतः भूधारक की मृत्यु हो जाने के उपरांत फौति नामांतरण के आधार पर उक्त भूमि के राजस्व अभिलेखों में आवेदकगण द्वारा स्वयं का नाम नामांतरण कराने हेतु मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-13/01/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक- 24/12/2024 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

पुलिस असुरक्षित ब्रेथ एनलाइजर से वाहन चालक को फैला रही है संक्रमण, जिम्मेदार मौन

बंथरा प्रभारी, वाहन चालकों को जबरिया असुरक्षित (ब्रेथलाइजर) लगवाकर, टीवी, वायरल, डायरिया, टाइफाइड जैसे गंभीर रोगों को दे रहे बढ़ावा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बंथरा, लखनऊ। प्रशासन नशे पर लगाम लगाने के लिए हर मुमकिन कोशिश भले ही कर रहा हो. सड़कों पर आने-जाने वालों की चेकिंग से लेकर माफियाओं और बदमाशों की धरपकड़ के लिए पुलिस को अतिरिक्त पावर दे रखा हो बावजूद इसके कुछ भ्रष्ट पुलिस अधिकारी दिन-रात सड़कों पर तैनात होकर भी नशा करके ड्राइव करने वालों की चेकिंग के नाम पर छलावा कर रहे है। प्रदेश की स्वस्थ जनता के साथ असुरक्षित ब्रेथ एनालाइजर लगाकर उन्हें मौत के मुंह में धकेलने का काम कर रहे हैं।

ऐसा ही कार्य बंथरा प्रभारी राम सिंह के द्वारा कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग हनुमान मंदिर के पास किया गया। कई उन सम्मानित लोगों को जानबूझकर परेशान किया गया जिनका कभी नशे से दूर दूर तक सरोकार नहीं रहा होगा। जबरिया ऐसे लोगों को परेशान करने की नीयत से उनके मुंह में ब्रेथ एनालाइजर पुलिस कर्मियों के द्वारा जबजस्ती ठूसा गया। और यह कृत्य बंथरा प्रभारी के सामने ही उनके पुलिस कर्मियों के द्वारा किया गया। नाम न छापने की शर्त पर लोगों ने बताया कि एक ही ब्रेथ एनलाइजर सभी वाहन चालकों के मुंह में लगाया गया जिससे काफी वाहन चालक तो सदमे में है कि कही उन्हें कोई इस असुरक्षित मशीन से गंभीर रोग न हो जाए। लोगों का कहना है कि हर कोई शख्स ड्रिंग करके ड्राइव तो नहीं कर रहा है अगर ऐसा होता तो ड्रिंक एंड ड्राइव के केसों की भरमार हो जाती।

प्रयोग करने का तरीका गलत

विशेषज्ञों की माने तो कई बार पुलिस को इस बात का प्रशिक्षण नहीं होता कि कैसे ब्रेथ एनालाइजर को कैसे पकड़े और किस तरह से इसके द्वारा रीडिंग लें। कई बार पुलिसकर्मी इसे उल्टा पकड़ते हैं। उनका कहना है कि यूरोपियन देशों में इंफ्रारेड वाले ब्रेथ एनालाइजर का प्रयोग किया जा रहा है जो आपकी शारीरिक ऊर्जा के आधार पर एल्कोहल का आकलन करते हैं।

आपको बीमार भी कर सकता है

ब्रेथ एनालाइजर में लगे ब्रेथ कीप को आमतौर पर साफ नहीं किया जाता है। कई बार एक व्यक्ति की जांच के बाद तुरंत ही दूसरे व्यक्ति के मुंह में इसे डाल दिया जाता है। ब्रेथ एनालाइजर के इस तरह के उपयोग से एक व्यक्ति का संक्रमण दूसरे व्यक्ति तक पहुंच सकता है। चिकित्सकों के अनुसार, कई बीमारियां ऐसी हैं, जो एक से दूसरे के संपर्क में आने से फैलती हैं।

ब्रेथ एनालाइजर बन सकता है घातक

आपको बता दें ब्रेथ एनालाइजर के जरिए प्रशासन सड़कों पर आने-जाने वाले लोगों को चेक करती है. सड़कों पर जा रहे लोगों को रोककर पुलिस उस ब्रेथ एनालाइजर मशीन को मुंह में लगाकर फूंक मारने कहती है, जिसके बाद मशीन में यह स्पष्ट होता है कि सामने वाले शख्स ने नशा किया है नहीं. अगर वह ड्रिंक किए हुए होते हैं, तो ड्रिंक एंड ड्राइव का केस बनता है. इस मशीन को अगर बिना सेनेटाइज किए ऐसे ही लोगों को मुंह में लगाकर चेक किया जाए तो संक्रमण फैलने का खतरा होता है.

क्या बोले सांस रोग विशेषज्ञ

इस विषय पर सांस रोग विशेषज्ञों की माने तोब्रेथ एनालाइजर से अल्कोहल स्क्रीनिंग के लिए एनालिसिस में लगे माउथपीस में मुंह लगाकर सांस छोड़ना होती है. ऐसी स्थिति में एक-दूसरे के सलाइवा का संपर्क व हवा में मौजूद संक्रमण से बीमारी हो सकती है. उन्होंने बताया यदि किसी को मुंह में संक्रमण या संक्रामक रोग है, तो दूसरे व्यक्ति को भी संक्रमण हो सकता है. यदि माउथपीस को स्टेरलाइज किया जाए या अलग-अलग माउथपीस का उपयोग अलग-अलग जांच के दौरान किया जाए, तो संक्रमण से बचाव संभव हो सकता है. उन्होंने कहा यदि एक ही माउथपीस का उपयोग पुलिस की जांच में हो रहा है, तो संक्रमण से लोगों को निमोनिया, टीवी, वायरल, डायरिया, टाइफाइड और अन्य गंभीर बीमारियां हो सकती हैं. ऐसी स्थिति में पुलिस को ब्रेक एनालिसिस के माउसपीस को या तो हर बार सेनेटाइज करना चाहिए, या फिर उसे बदलकर ही अन्य व्यक्ति की अल्कोहल स्कैनिंग किया जाना चाहिए।

सम्पादकीय

आर्थिक आजादी के शिल्पकार

भारत की आर्थिक आजादी के शिल्पकार, लगातार 10 साल तक देश के प्रधानमंत्री रहे, कई मील-पत्थर योजनाओं के सूत्रधार, महान अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह दिवंगत हो गए। उन्होंने 92 साल की भरी-पूरी जिंदगी जी और देश को दूसरी आजादी दिलाई, इससे ज्यादा एक जिंदगी में और क्या किया जा सकता था? लिहाजा उनका देहावसान उनकी पार्थिव नियति ही है। भारत आजाद देश था, लेकिन औसत भारतीय के स्वप्न और आर्थिक आयाम अपेक्षाकृत आजाद नहीं थे। हम एक गरीब और कर्जदार देश थे। बहरहाल आज विकासशील देश हैं और विकसित बनने का लक्ष्य तय किया है। 1991 के दौर में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार मात्र एक अरब डॉलर रह गया था, लिहाजा आयात का घोर संकट था। तत्कालीन चंद्रशेखर सरकार को पेट्रोलियम और उर्वरक के आयात के लिए 40 करोड़ डॉलर जुटाने के लिए 46.91 टन सोना इंग्लैंड और जापान के बैंकों में गिरवी रखना पड़ा था। उस दौर में कांग्रेसी प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने डॉ. मनमोहन सिंह को वित्त मंत्री बनाया और उसी के साथ आर्थिक उदारीकरण ने भारत की दूसरी आजादी का अध्याय लिखना आरंभ कर दिया। हालांकि डॉ. सिंह के पहले बजट के मसविदे को प्रधानमंत्री राव ने खारिज कर दिया था। उनकी उम्मीदें लीक से हटकर थीं। डॉ. सिंह के सामने आर्थिक चुनौतियां रखी गईं और बहुत थोड़े से वक्त में उन्होंने ऐसा बजट तैयार किया, जिसने भारत के आर्थिक भाग्य को ही संकटों और अभावों से मुक्त कर दिया। अर्थव्यवस्था खोल दी गई। विदेशी निवेशकों और कंपनियों के लिए देश के दरवाजे खोल दिए गए। डॉ. सिंह कहा करते थे- भारत किसी से, क्यों डरे? हम विकास के ऐसे चरण में पहुंच चुके हैं, जहां विदेशियों से डरने के बजाय हमें उनका स्वागत करना चाहिए।

हमारे उद्यमी किसी से कमतर नहीं हैं। हमें अपने उद्योगपतियों पर पूरा भरोसा है। अंततः 24 जुलाई, 1991 के उस बजट ने आर्थिक उदारीकरण का जो दौर शुरू किया, उसके दो साल के भीतर ही विदेशी मुद्रा भंडार 10 अरब डॉलर, यानी 10 गुना अधिक, हो गया। लाइसेंस और इंस्पेक्टर राज का दौर समाप्त हुआ और 34 क्षेत्रों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का ऑटोमैटिक रूट तैयार कर दिया गया। कंपनियों पर कई पाबंदियां उठा ली गईं। कॉरपोरेट के पूंजीगत सुद्दों पर नियंत्रक खत्म किया गया और सेबी को संवैधानिक शक्तियां दी गईं। सॉफ्टवेयर निर्यात के लिए आयकर अधिनियम की धारा 80 एचएचसी के तहत कर-छूट की घोषणा भी की गई। वित्त मंत्री के तौर पर डॉ. मनमोहन सिंह ने जिन आर्थिक सुधारों का सूत्रपात किया, उन्हें प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने भी निरंतर बनाए रखा, नतीजतन भारत दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनता चला गया। उन आर्थिक सुधारों की बुनियाद पर ही आज भारत विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और विदेशी मुद्रा का भंडार 650 अरब डॉलर से अधिक का है। वास्तव में डॉ. मनमोहन सिंह भारत की आर्थिक आजादी के शिल्पकार ही नहीं, कोई फरिश्ता थे, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, भारत सरकार में आर्थिक सलाहकार, रिजर्व बैंक के गवर्नर से लेकर प्रधानमंत्री तक की व्यापक जिम्मेदारियां और भूमिकाएं एक ही व्यक्ति नहीं निभा सकता। यकीनन वह एक दुर्लभ शख्सियत थे। प्रधानमंत्री के तौर पर डॉ. सिंह ने कई मील-पत्थर योजनाओं को क्रियान्वित किया। उस विरासत और जनवादी सोच को कौन भूल सकता है? प्रधानमंत्री सिंह ने 6-14 साल की उम्र के बच्चों के लिए अनिवार्य, मुफ्त शिक्षा का कानून बनाया। सरकारी पारदर्शिता और जवाबदेही के मद्देनजर सूचना का अधिकार कानून बनाया। खाद्य सुरक्षा को कानूनी रूप दिया। साल में कमोबेश 100 दिन के रोजगार की गारंटी वाले मनरेगा का कानून लागू किया। उन्हें नमन।

मौन रह कर भारत में आर्थिक परिवर्तन की पटकथा लिखने वाले अर्थशास्त्री डा. मनमोहन सिंह एक अच्छे अध्यापक, प्रशासक, वित्त मंत्री से लेकर बेदाग प्रधानमंत्री तक के सफर में एक विजनरी व दृढ़ राजनेता और सौम्य व्यक्तित्व के लिए हमेशा याद किए जाएंगे। पंडित जवाहर लाल नेहरू ने अगर आजाद भारत के नव निर्माण की नींव रखी तो डा. मनमोहन सिंह ने आर्थिक सुधारों से विकसित भारत यात्रा की बुनियाद रखी। पूर्व प्रधानमंत्री डा. सिंह को भारत को लाइसेंस राज से मुक्त कराने वाले और देश को उस स्थिति से उबारने वाले उद्धारक के रूप में याद किया जाएगा जब इसका स्वर्ण भंडार भी गिरवी रख दिया गया था। एक भविष्यदृष्टा राजनेता के तौर पर पहचान बनाने वाले डा. सिंह भारत के आर्थिक शिल्पकार रहे। कांग्रेस नेता के रूप में उन्होंने 2004-2014 तक 10 वर्षों के लिए देश का नेतृत्व किया और उससे पहले वित्त मंत्री के रूप में देश के आर्थिक ढांचे को तैयार करने में मदद की। वह वैश्विक स्तर पर वित्तीय और आर्थिक क्षेत्र की एक मशहूर शख्सियत रहे। विकास को हरित लक्ष्य से जोड़ने वाले डा. सिंह प्रेरणास्रोत रहेंगे। मनमोहन के योगदान का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

नव भारत की नींव रखने वाले अर्थशास्त्री

व्यक्तित्व

नितिन प्रधान

वरिष्ठ पत्रकार

वर्ष 1991 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के चेयरमैन के रूप में काम कर रहे डॉ. सिंह को कांग्रेस के पहले गैर गांधी-नेहरू प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने अपने वित्त मंत्री के रूप में चुना। राव जानते थे कि देश जिन आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है वहां से उसे बाहर निकालने और एक नए भारत के निर्माण की राह तैयार करने में मनमोहन सिंह ही उनकी मदद कर सकते हैं। राव इस बात को लेकर भी आश्वस्त थे कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ तालमेल बिठाने और बीते चालीस वर्षों से नियमों और कई तरह की पाबंदियों में बंधी अर्थव्यवस्था के बंधन खोलने के काम का माद्दा सिर्फ डॉ. सिंह के ही पास है। इसी कारण डॉ. सिंह को जून 1991 में राव ने केंद्र में वित्त मंत्री के तौर पर शपथ दिलवाई।

हीरे की परख सच्चा जौहरी ही कर सकता है। यह भले ही एक कहावत है लेकिन डॉ. मनमोहन सिंह के संबंध में इसे हक़ीक़त में तब्दील होते हुए भी देखा गया है। वर्ष 1991 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के चेयरमैन के रूप में काम कर रहे डॉ. सिंह को कांग्रेस के पहले गैर गांधी-नेहरू प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने अपने वित्त मंत्री के रूप में चुना। राव जानते थे कि देश जिन आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है वहां से उसे बाहर निकालने और एक नए भारत के निर्माण की राह तैयार करने में मनमोहन सिंह ही उनकी मदद कर सकते हैं। राव इस बात को लेकर भी आश्वस्त थे कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ तालमेल बिठाने और बीते चालीस वर्षों से नियमों और कई तरह की पाबंदियों में बंधी अर्थव्यवस्था के बंधन खोलने के काम का माद्दा सिर्फ डॉ. सिंह के ही पास है।

यही वजह है कि डॉ. सिंह की तमाम हिचकिचाहट के बावजूद जून 1991 में राव ने उन्हें केंद्र में वित्त मंत्री के तौर पर शपथ दिलवाई। वैश्विक अर्थव्यवस्था और राजनीति की जो समझ और उसके अनुरूप नीतियों में फेरबदल कर उन्हें लागू करने का जो साहस डॉ. सिंह में रहा, उनके वक्त के नेताओं में संभवतः किसी में नहीं था। बात चाहे 1991 में अर्थव्यवस्था के उदारीकरण की हो या फिर अमेरिका के साथ परमाणु करार पर हस्ताक्षर करने की। मनमोहन सिंह वित्त मंत्री से लेकर प्रधानमंत्री के अपने कार्यकाल में देशहित में फैसले लेने से कभी नहीं चूके। यह सही है कि प्रधानमंत्री के रूप में उनका दूसरा कार्यकाल कई विवादों से घिरा रहा और सरकार पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों ने वर्ष 2014 में उनके नेतृत्व वाली कांग्रेस की सरकार वापस सत्ता में लौटने में कामयाब नहीं रही। लेकिन यह भी सच है कि डॉ. सिंह की निजी छवि हरदम बेदाग़ रही और व्यक्तिगत तौर से उन पर भ्रष्टाचार का आरोप कभी नहीं लगा। प्रधानमंत्री के रूप में भी उनका जीवन सादगी से भरा रहा। प्रधानमंत्री रहते तीन साल उनके निजी सुरक्षा गार्ड रहे आईपीएस अधिकारी और अब उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री असीम अरुण ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए इस बात का ज़िक्र भी किया है। नौकरशाह से राजनीति में आये डॉ. सिंह व्यवहार में कभी राजनीतिज्ञ नहीं बन पाए।

लाइसेंस राज से दिलाई मुक्ति

उनका ध्यान हमेशा ऐसी नीतियां और क़ानून बनाने पर रहा जिनसे आम जनता की ज़िंदगी को सरल बनाया जा सके। इसकी शुरुआत उन्होंने 1991 में आर्थिक उदारीकरण के रूप में की। वो जानते थे कि अगर देश की अर्थव्यवस्था को दुनिया के समकक्ष खड़ा करना है तो उसे उन तमाम बंधनों से आज़ाद करना होगा जिनकी वजह से देश का उद्योग-जगत छटपटाहट महसूस कर रहा है। आज़ादी के चालीस साल तक उद्योगों को लाइसेंस राज के नियंत्रण में काम करना पड़ रहा था। वित्त मंत्री

के रूप में अपने पहले ही बजट में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए उद्योगों के लिए लाइसेंस की अनिवार्यता ख़त्म कर दी। कोटा राज को ख़त्म करते हुए उन्हें नियमों को बेहद सरल बना दिया। निजी और विदेशी निवेश को देश में बढ़ावा देने के लिए डॉ. सिंह ने सार्वजनिक उपक्रमों (पीएयू) में सरकार की हिस्सेदारी को कम करके जनता को हिस्सेदारी देने की अवधारणा रखी। पहले बजट में प्रस्तुत उदार अर्थव्यवस्था की अपनी अवधारणा को अपने कार्यकाल के अगले पांच वर्ष लागू करने में लगा दिए। एक ही कदम में उद्योगों के एक बड़े हिस्से को लाइसेंस से मुक्त करने के साथ साथ उन्होंने कारोबार करने की नीति को सरल बना दिया।

विदेश में कारोबार करने की अनुमति दी

राज्य व्यापार निगमों का एकाधिकार समाप्त कर निजी कंपनियों को विदेश में कारोबार करने की अनुमति प्रदान की। कई तरह के निर्यात पर बेवजह दी जाने वाली सब्सिडियों को या तो ख़त्म किया अथवा उन्हें तर्कसंगत बनाया। उनके वित्त मंत्रित्व में एक अन्य साहसिक निर्णय था मुद्रा का दो बार अवमूल्यन किया जाना। इस कदम के लिए उन्हें विरोध और आलोचना का भी सामना करना पड़ा। बावजूद इसके उन्हें रुपये की क़ीमत को दो चरणों में डालर के मुक़ाबले 21 से 25 पर पहुंचाया। यह वैश्विक कारोबार में भारत को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए एक बड़ा कदम था। डॉ. सिंह यहीं नहीं रुके। उन्होंने रुपये को वैश्विक मुद्रा के साथ परिवर्तनीय बढ़ाने के लिए भी कदम उठाया। वित्त मंत्री के रूप में उनकी स्पष्ट मान्यता थी और इसे उन्होंने कई दफ़ा संसद और अन्य सार्वजनिक मंचों के ज़रिए प्रकट भी किया कि देश में अगर उद्योगों को कारोबार करने के लिए प्रोत्साहन देना है तो उन्हें विदेशी निवेश लाने के साथ-साथ सार्वजनिक उपक्रमों के एकाधिकार के समकक्ष भी ख़ड़ा करना होगा। यही वजह थी कि उन्होंने करीब 34 उद्योग क्षेत्रों में ऑटोमैटिक रूट के ज़रिए 51 फ़ीसदी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफ़डीआई) की नीति लागू की। इस बात से किसी को इनकार नहीं होगा कि उस वक्त देश को विदेशी मुद्रा की कितनी आवश्यकता थी और डॉ. सिंह इस बात को समझते थे कि अगर अर्थव्यवस्था को दुनिया के समकक्ष बनाने कि लिए एफ़डीआई कितना महत्वपूर्ण है।

सेबी को मिले वैधानिक अधिकार

वित्तीय बाज़ारों को पारदर्शी और उसमें खुदरा निवेशकों की भागीदारी को बढ़ाने के लिए उन्होंने कंट्रोल्स ऑफ कैपिटल इश्यूज की व्यवस्था को समाप्त करते हुए सिक्योरिटीज़ एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) को वैधानिक अधिकारों से लैस किया। उनके इस कदम ने वित्तीय बाजार के तमाम घटकों के लिए आने वाले समय में कई तरह के रेगुलेटरों की राह खोलने का काम किया। वर्तमान में बीमा बाजार के लिए इरडा, टेलीकॉम के लिए टीआरएआई, रियल एस्टेट के लिए रेरा जैसे रेगुलेटर इसी परंपरा के वाहक हैं।

भारत का 'मनमोहक' अध्याय लिखा

विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

डॉ. मनमोहन सिंह हमारे बीच से 92 वर्ष की उम्र में गए हैं। यानी उन्होंने भरपूर जीवन जिया। किंतु मनुष्य के जीवन का अर्थ उसकी सार्थकता में है। उनके पूरे जीवन पर दृष्टि दौड़ाएं तो बहुत कम लोग होंगे जिन्होंने इतनी उपलब्धियां प्राप्त की। उनकी गिनती गिने-चुने लोगों में होगी जिन्होंने एक विस्थापित और शरणार्थी परिवार के रूप में भारत में शुरुआत की और लगातार किसी न किसी रूप में भारत के नीति निर्माण में संलग्न रहे तथा सत्ता शीर्ष तक पहुंचे। इन अर्थों में उनका जीवन सबके लिए प्रेरणादायी है। अत्यंत कठोर जीवन से आरंभ कर परिश्रम की बदौलत उच्च शिक्षा प्राप्त करना, शानदार ख्याति प्राप्त अर्थशास्त्री एवं प्रोफेसर बनना, वहां से वित्त सचिव, भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर, योजना आयोग के प्रमुख , प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के प्रमुख, वित्त मंत्री से लेकर प्रधानमंत्री पद तक पहुंचे तथा 10 वर्ष का रिकॉर्ड भी बनाया।

नीति निर्माण में रहे सक्रिय

स्वतंत्रत भारत के इतिहास में शायद ही कोई गैर राजनीतिक और गैर नौकरशाही पृष्ठभूमि से निकलकर लगातार भारत के नीति निर्माण में इतने सक्रिय स्तरों पर बने रहने वाला दिखेगा। मनुष्य की नियति तो होती है किंतु अपने कर्मों से उसे साकार करना और अपनी योग्यता क्षमता साबित करने का दायित्व हम पर है। डॉक्टर मनमोहन सिंह इन कसौटियों पर खरे उतरते हैं। जब उनके प्रधानमंत्री बनने का समाचार सार्वजनिक हुआ उसके पहले किसी की कल्पना में भी नहीं था। उन्होंने लोकप्रिय राजनेता अटलबिहारी वाजपेयी के बाद देश की बागडोर संभाली थी और गठबंधन दलों के साथ। तब देश को दस वर्षों तक राजनीतिक स्थिरता उन्हीं के प्रधानमंत्रित्व काल में कायम रही। भारत अमेरिकी नाभिकीय समझौता और देश को प्रतिबंधों से मुक्त कराने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ही थी जिस कारण वामपंथी दलों द्वारा समर्थन वापसी का धक्का स्वीकार करते हुए भी अड़े रहे। मनरेगा, खाद्य सुरक्षा जैसी योजनाएं उसी कार्यकाल में आरंभ हुईं। जब 2008 में विश्व आर्थिक संकट से ग्रस्त हुआ तो भारत के सुरक्षित रहने के पीछे पहले का सशक्त आर्थिक आधार था, लेकिन उसे संभालने की उनकी क्षमता नहीं होती, प्रधानमंत्री के रूप में सही दिशा नहीं देते तो बचना कठिन होता। प्रधानमंत्री के रूप में उनकी अनेक उपलब्धियां थीं, पर वित्त मंत्री के रूप में उन्होंने सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था का वर्णक्रम बदल दिया, नीतियों, सोच और ढांचों में ऐसी आधारभूमि विकसित कर दी जिन पर देश यहां तक बढ़ा है।

अर्थव्यवस्था को संभाला

जब 1991 में नरसिंह राव ने कांग्रेस की अल्पमत सरकार का गठन किया तो उनके सामने कई चुनौतियां थीं जिनमें सबसे मुख्य अर्थव्यवस्था को संभालना था। उन्होंने डॉ. सिंह को फोन किया कि आपको कल वित्त मंत्री की शपथ लेनी है। शपथ लेने के बाद दोनों ने अधिकारियों के साथ आर्थिक व वित्तीय हालात की गहन समीक्षा की और फिर भारतीय अर्थव्यवस्था के सम्पूर्ण वर्णक्रम का बदलाव आरंभ हो गया। 1991 में तब देश का

चालू खाता का घाटा सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था का तीन प्रतिशत था। राजकोषीय घाटा तो खतरे के निशान को काफी पीछे छोड़कर सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था का आठ प्रतिशत तक पहुंच गया था। देश 29 हजार करोड़ डॉलर के कर्ज के बोझ तले दबा हुआ था। करीब एक लाख करोड़ से कम के बजट वाले देश में इतना कर्ज बहुत होता है। देश को चलाने के लिए केवल अगले 15 दिनों का धन बचा था। जून 1991 में देश के पास केवल 110 करोड़ डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार शेष बचा था, जिससे केवल 15 दिन का आयात किया जा सकता था। इसी कारण पूर्व चन्द्रशेखर सरकार ने 67 टन सोना लंदन के बैंक ऑफ इंग्लैंड में गिरवी रखकर कर्ज लिया था। भारत डिफॉल्टर होने की स्थिति में था। तब देश के शहरी इलाकों में पुरुषों की बेरोजगारी दर 56 प्रतिशत और महिलाओं की 73 प्रतिशत, ग्रामीण क्षेत्रों के पुरुषों में 39 और महिलाओं में 37 प्रतिशत थी। उस दौरान हर 100 में 60 लोग बेरोजगार हो चुके थे। वास्तव में यह कहना बिल्कुल सही होगा कि जिस समय मनमोहन सिंह ने वित्त मंत्री का प्रभार संभाला उस समय भारतीय अर्थव्यवस्था वेंटीलेटर पर पड़ी हुई अंतिम सांसें गिन रही थी। विदेशी निवेश न के बराबर था। नरसिंह राव और मनमोहन सिंह की जोड़ी को स्थिति बदलनी थी और उन्होंने सफलतापूर्वक ऐसा किया। जब भी देश का आर्थिक इतिहास लिखा जाएगा 24 जून, 1991 से लेकर 24 जुलाई, 1991 तक एक महीने में नरसिंह राव और मनमोहन सिंह की टीम के निर्णय भारत की तकदीर बदलने वाले थे। डॉ. सिंह ने पूरा ब्लू प्रिंट तैयार करने के साथ अपनी टीम बनाई। वित्त मंत्रालय में देर रात तक बैठकों का सिलसिला चलता रहा। नई नीतियों के निर्माण का काम तेजी से होने लगा। व्यक्ति के पास योग्यता, क्षमता और साहस नहीं हो तो 34 वर्षों से चली आ रही व्यवस्था को सीधे पलटकर नई व्यवस्था की कल्पना नही कर सकता। मनमोहन सिंह की योजना से रुपये का अवमूल्यन हुआ। 20 प्रतिशत तक अवमूल्यन किया गया। उस दौरान 3 दिन के अंदर भारतीय रुपये का मूल्य एक डॉलर के मुकाबले 21.09 रुपये से घटकर 25.95 रुपये हो गया। 18 जुलाई के ठीक 6 दिन बाद यानी 24 जुलाई को मनमोहन सिंह ने बतौर वित्त मंत्री अपना पहला बजट पेश किया जो वास्तव में भारतीय अर्थव्यवस्था को बंधनों से मुक्त कर विश्व अर्थव्यवस्था की मुख्य धारा में लाने तथा उसके साथ सामंजस्य स्थापित कर आगे बढ़ने की नीतियों और कार्ययोजनाओं का दस्तावेज था। इसी दिन संसद में उद्योग नीति को भी प्रस्तुत कर दिया गया। यहां से भारत के जीवन में एक नए दौर की शुरुआत हुई। जिन लोगों ने जुलाई 1991 के पहले की दुनिया देखी है उनको 1996 तक नरसिंह राव सरकार के जाते-जाते बदले हुए संचार सहित सूचना तंत्र क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तनों वाले भारत की कल्पना करना मुश्किल था। हालांकि मनमोहन सिंह को व्यापक विरोध का सामना करना पड़ा। वामपंथी और स्वदेशी सोच की बहुतायत वाले राजनेताओं का वर्चस्व इस बदलाव को स्वीकार करने को तैयार नहीं था। लेकिन मनमोहन सिंह राजनीति से विचलित हुए बिना एक अर्थवेत्ता नेता की तरह अपना काम करते रहे। हम इस बात पर बहस कर सकते हैं कि क्या पश्चिमी मॉडल की उदारवादी अर्थव्यवस्था की जगह अगर स्वदेशी मॉडल की अर्थव्यवस्था अपनाई जाती तो वह ठीक नहीं होता?

अर्थव्यवस्था का इतिहास बदला

सच यही है कि आलोचना करते हुए भी किसी के पास ठोस विकल्प नहीं था। जिन लोगों ने आलोचना की, विरोध किया, आंदोलन किया, सबने बाद में उसी अर्थनीति को आगे बढ़ाया। इस तरह वित्त मंत्री के रूप में उनका योगदान भारतीय अर्थव्यवस्था का इतिहास बदलने वाला रहा तो प्रधानमंत्री के रूप में उस इतिहास को सुदृढ़ करने वाला। देश उनका कृतज्ञ रहेगा।

मौन रहकर बदल दी आर्थिक तस्वीर

अर्थव्यवस्था

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

डॉ. मनमोहन सिंह का नाम भारतीय राजनीति और अर्थव्यवस्था में अमिट स्थान रखता है। 26 दिसंबर 2024 को उनके निधन के साथ, देश ने एक ऐसे नेता को खो दिया जिसने न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। उनकी सादगी, विद्वत्ता और दूरदर्शिता ने उन्हें एक असाधारण नेता बनाया। वे न केवल एक कुशल अर्थशास्त्री थे, बल्कि उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी और देश को आर्थिक संकट से उबारा। उन्हें वर्ल्ड के बेस्ट इकोनॉमिस्ट के रूप में भी देखा जाता है। फाइनेंस मिनिस्टर रहते हुए उन्होंने भारत के विकास में चार चांद लगाने के लिए कई रणनीतियां बनाई और उनको इंप्लीमेंट भी किया।

अर्थव्यवस्था में खामोश क्रांति

बातों से ज्यादा काम पर जोर देने की उनकी प्रवृत्ति का विरोधियों ने भले ही मज़ाक उड़ाया हो, लेकिन शायद अपने इसी स्वभाव की वजह से मनमोहन सिंह वह सब करने में सफल हुए जिसे भारतीय अर्थव्यवस्था में एक खामोश क्रांति का दर्जा दिया जा सकता है। अगर उनकी शख्सियत इतनी शांत-सौम्य और किसी को आक्रांत न करने वाली नहीं होती, तो शायद वे गठबंधन राजनीति के दौर में वैसे अहम फैसले और नीतिगत बदलाव नहीं कर पाते, जिन्हें उन्होंने बड़ी खामोशी से अंजाम दिया। अगर वे अपने हर काम, हर उपलब्धि का ढिंढोरा पीटने वाले नेता होते, तो विरोधी भले ही उन्हें 'मौन-मोहन' नहीं कह पाते, लेकिन तब शायद हम उन्हें आधुनिक भारत के 'अजातशत्रु' के तौर पर याद नहीं कर रहे होते।

निजीकरण को दिया बढ़ावा

एक अर्थशास्त्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री के पद पर आसीन होकर उन्होंने देश की सेवा की थी। रिजर्व बैंक के गवर्नर जैसे पद पर रहे डॉ. मनमोहन सिंह केंद्रीय वित्त मंत्री के रूप में आर्थिक संकट से जूझते देश को नई आर्थिक नीति का उपहार दिया और प्रधानमंत्री के पद पर रहते हुए उदारवादी आर्थिक नीति को बढ़ावा दिया और देश की अर्थव्यवस्था को नई उड़ान दी। मनमोहन सिंह ने 2004 से 2014 तक प्रधानमंत्री के तौर पर देश का नेतृत्व करने से पहले 1991 में वित्त मंत्री के रूप में देश में नई आर्थिक नीतियों की आधारशिला रखी। 1991 में जब देश गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा था तो डॉ. मनमोहन सिंह ने आर्थिक उदारीकरण की प्रक्रिया शुरू की। विदेशी मुद्रा भंडार लगभग खत्म हो चुका था और देश कर्ज के बोझ तले दबा हुआ था।

इस कठिन समय में, उन्होंने साहसिक निर्णय लेते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक बाजारों के लिए खोला। उनके नेतृत्व में किए गए सुधारों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर और प्रतिस्पर्धी बनाया। लाइसेंस राज का खात्मा, विदेशी निवेश को प्रोत्साहन और निजीकरण को बढ़ावा देना उनके सुधारों के मुख्य स्तंभ थे। इन नीतियों ने न केवल आर्थिक संकट को टाला बल्कि भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल कर दिया। आज की

मजबूत भारतीय अर्थव्यवस्था उन्हीं सुधारों की नींव पर खड़ी है। उनके योगदान ने साबित कर दिया कि सही निर्णय और दृष्टिकोण किसी भी संकट को अवसर में बदल सकते हैं। हालांकि, उन आर्थिक सुधारों की एक कीमत चुकानी पड़ी। कॉर्पोरेट टैक्स बढ़ाए गए, रसोई गैस और चीनी जैसी आवश्यक वस्तुओं पर सब्सिडी कम की गई, और पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि की गई।

आर्थिक मंदी के प्रभाव से बचाया

बहरहाल, मनमोहन सिंह देश में आर्थिक सुधारों के पुरोधा रहे। 1991 में देश का राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 8.5 के इर्द गिर्द था। वे महज एक वर्ष उसे 5.9 फीसदी के स्तर ले आए। डॉ. सिंह के लागू किए आर्थिक सुधार कार्यक्रमों के बाद डूबती हुई अर्थव्यवस्था ने वह मुकाम हासिल कर लिया कि उसे पीछे मुड़कर नहीं देखना पड़ा। 1991 से 1996 के बीच उनके द्वारा किए गए आर्थिक सुधारों की आज भी दुनिया भर में प्रशंसा की जाती है।

इतना ही नहीं, 2008 में जब अमेरिका और पश्चिमी देशों में आर्थिक मंदी आयी, तब भारत भी इसके प्रभाव से अछूता नहीं रहा। उस समय डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे और उनकी आर्थिक नीतियों ने भारत को इस संकट से बचाने में अहम भूमिका निभाई। उनकी सरकार ने वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए तत्काल कदम उठाए। सार्वजनिक निवेश बढ़ाने, रोजगार सृजन और ग्रामीण क्षेत्रों में मांग को बढ़ावा देने के लिए मनरेगा जैसी योजनाओं को लागू किया गया। इन नीतियों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को मंदी के प्रभाव से उबरने में मदद की और ये साबित किया कि डॉ. सिंह न केवल एक कुशल अर्थशास्त्री हैं बल्कि एक सक्षम संकट प्रबंधक भी। प्रधानमंत्री के तौर पर मनमोहन सिंह के 10 साल के कार्यकाल को गठबंधन के दबावों के बीच आपसी सहयोग और संतुलन से सरकार चलाने की मिसाल माना जा सकता है।

विवादों के बीच भी ईमानदार रहे

वे राजनीति में लगभग अनचाहे कदम रखने वाले व्यक्ति थे, जिन्हें सक्रिय राजनीति के उतार-चढ़ावों का सामना करना पड़ा। तमाम विवादों के बीच भी मनमोहन सिंह की ईमानदारी और देश के आर्थिक विकास के प्रति उनकी निष्ठा संदेह से परे रही। डॉ मनमोहन सिंह की पहचान हमेशा एक निस्वार्थ राजनेता की बनी रही। विरोधी भले ही उन्हें 'मौनमोहन सिंह' कहते हों, लेकिन अपनी शांत छवि के बावजूद वे एक दृढ़ संकल्प वाले नेता थे। इसकी झलक देश ने उस वक्त देखी थी, जब 2008 में भारत-अमेरिका परमाणु समझौते के कारण उनकी सरकार लगभग गिरने की स्थिति में आ गई थी, लेकिन उन्होंने गठबंधन के कुछ सहयोगी दलों के दबाव में झुकने की बजाय उनका मुकाबला पूरे आत्मविश्वास से किया और संसद में विश्वास मत जीत लिया।

राजनीति के लिए प्रेरक

उस वक्त अपनी सरकार के खिलाफ पेश अविश्वास प्रस्ताव का जवाब देते हुए उन्होंने कहा था, 'लोकतंत्र की महानता यही है कि हम सभी प्रवासी पक्षियों की तरह हैं। जो आज हैं, कल चले जाएंगे। लेकिन इस दौरान जो जिम्मेदारी हमें जनता देती है, उसे ईमानदारी और निष्ठा से निभाना हमारा कर्तव्य है।'

डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन और योगदान भारतीय राजनीति और अर्थव्यवस्था के लिए एक प्रेरणा है। उन्होंने अपने ज्ञान, साहस, और दूरदर्शिता से न केवल भारत को आर्थिक संकट से बाहर निकाला बल्कि इसे वैश्विक मंच पर एक मजबूत देश के रूप में स्थापित किया। उनका निधन देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है, लेकिन उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

महाकुंभ का संदेश एकता स्थापित करना और समाज से नफरत को खत्म करना है: पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को महाकुंभ को एकता का महाकुंभ बताया और लोगों से इस आगामी भव्य धार्मिक समागम से समाज से नफरत और विभाजन को खत्म करने के संकल्प के साथ लौटने का आग्रह किया। मोदी ने अपने मासिक मन की बात कार्यक्रम में कहा, महाकुंभ का संदेश एक हो पूरा देश।

उन्होंने प्रयागराज में अगले साल 13 जनवरी से आयोजित इस समागम में शामिल होने वाले लोगों की विविधता के मद्देनजर कहा कि विविधता में एकता के ऐसे दृश्य का कोई दूसरा उदाहरण नहीं है। उन्होंने कहा, महाकुंभ की विशेषता न केवल इसकी विशालता बल्कि इसकी विविधता में भी है।

यह विशाल धार्मिक आयोजन हर 12 साल में आयोजित किया जाता है। मोदी ने कहा कि आगामी गणतंत्र दिवस संविधान के लागू होने की 75वीं वर्षगांठ होगी जो देशवासियों के लिए गर्व की बात है। उन्होंने जोर देकर कहा कि संविधान समय की हर कसौटी पर खरा उतरा है। उन्होंने कहा, यह हमारा मार्गदर्शक है।

मोदी ने कहा कि वह अपने जीवन में इस स्तर तक संविधान के कारण ही पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को संविधान के प्रावधानों और भावना से जोड़ने के लिए कॉन्स्टीट्यूशन 75 डॉटकॉम नामक एक वेबसाइट शुरू की गई है। विपक्षी दल केंद्र सरकार पर संविधान को कमजोर करने का अक्सर आरोप लगाते रहे हैं, जिसका सत्तारूढ़ दल ने जोरदार खंडन किया है। मोदी ने संवैधानिक मूल्यों एवं भावना को मजबूत करने के अपनी सरकार के प्रयासों का कई बार जिक्र किया है और मुख्य विपक्षी कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि जब भी वह सत्ता में रही, उसने संविधान को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया।

सब्जी क्रांति के लिए कालाहांडी के किसानों की सराहना की

एजेंसी

भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को ओडिशा के कालाहांडी जिले के गोलामुंडा ब्लॉक के किसानों की क्षेत्र में सब्जी क्रांति के लिए सराहना की। मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में किसान उत्पादक संघ (एफपीओ) की स्थापना करने और आधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग कर कालाहांडी जिले में सब्जी क्रांति लाने के लिए किसानों की सराहना की। कालाहांडी को कभी गरीबी और लोगों के पलायन की भयावह स्थिति के लिए जाना जाता था। उन्होंने कहा, जहां, कभी किसान, पलायन करने को मजबूर थे, वहीं आज, कालाहांडी का गोलामुंडा ब्लॉक एक सब्जी केंद्र बन गया है। यह परिवर्तन कैसे आया?

मोदी ने कहा, इसकी शुरूआत सिर्फ 10 किसानों के एक छोटे से समूह से हुई। इस समूह ने मिलकर एक किसान उत्पाद संघ की स्थापना की, खेती में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल शुरू किया, और आज उनका ये संघ करोड़ों का कारोबार कर रहा है। आज 200 से अधिक किसान इस संघ से जुड़े हैं, जिनमें 45 महिला किसान भी हैं। उन्होंने कहा, ये लोग मिलकर 200 एकड़ में टमाटर की खेती कर रहे हैं, 150 एकड़ में करेले का उत्पादन कर रहे हैं। अब इस संघ का सालाना कारोबार भी बढ़कर डेढ़ करोड़ से ज्यादा हो गया है।

आज कालाहांडी की सब्जियां, न केवल ओडिशा के विभिन्न जिलों में बल्कि, दूसरे राज्यों में भी पहुंच रही हैं, और वहां का किसान, अब, आलू और प्याज की खेती की नई तकनीकें सीख रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, कालाहांडी की यह सफलता हमें सिखाती है कि संकल्प शक्ति और सामूहिक प्रयास से क्या नहीं किया जा सकता। मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि अपने क्षेत्र में किसान उत्पाद संघ को प्रोत्साहित करें, किसान उत्पादक संगठनों से जुड़ें और उन्हें मजबूत बनाएं।

आचार्य किशोर कुणाल का निधन अत्यंत दुःखद

सामाजिक व धार्मिक क्षेत्र की अपूरणीय क्षतिः सीएम योगी

संवाददाता

अयोध्या/लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महावीर मंदिर न्यास के सचिव आचार्य किशोर कुणाल के निधन पर गहरा शोक प्रकट करते हुए रविवार को कहा कि उनका निधन अत्यंत दुःखद और सामाजिक व धार्मिक क्षेत्र की अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री योगी ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य, महावीर मंदिर न्यास के सचिव आचार्य किशोर कुणाल जी का निधन अत्यंत दुःखद और सामाजिक व धार्मिक क्षेत्र की अपूरणीय क्षति है।

योगी ने इसी पोस्ट में कहा, उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान तथा शोकाकुल परिजनों एवं शुभचिन्तकों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ॐ शांति। बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड (बीएसबीआरटी) के पूर्व प्रमुख और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी आचार्य किशोर कुणाल का रविवार को पटना में हृदयाघात से निधन हो गया। वर्ष 1972 बैच के सेवानिवृत्त भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी कुणाल पटना के प्रसिद्ध महावीर मंदिर ट्रस्ट के सचिव थे। यह ट्रस्ट राज्य में कई अस्पताल भी चलाता है। आचार्य किशोर कुणाल अयोध्या के अमावा मंदिर ट्रस्ट के सचिव भी थे। महावीर मंदिर पटना ट्रस्ट ने राम मंदिर निर्माण के लिए 10 करोड़ रुपये का योगदान दिया है। वह लगातार अयोध्या के अमावा मंदिर में राम भक्तों के लिए मुफ्त सामुदायिक भोजन का आयोजन कर रहे थे।

मौसम

अधिकतम तापमान 23.c

न्यूनतम तापमान 7.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 81,526.14

निफ्टी 24,641.80

मथुरा में एनएच-19 पर हुए सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत

संवाददाता

मथुरा, मथुरा जिले के छाता कोतवाली थाना क्षेत्र में एक चीनी मिल के सामनेरविवार सुबह ट्रैक्टर ट्रॉली और ट्रक की टक्कर में तीन व्यक्तियों की मौत हो गयी और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। छाता कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) संजय कुमार त्यागी ने कहा, इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। हादसा उस समय हुआ, जब तेज रफ्तार ट्रक ने ईंटों से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली से आगे निकलने की कोशिश में उसे टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि दोनों वाहन छाता से मथुरा जा रहे थे। मृतकों की पहचान उमेश, पूरन सिंह और ट्रक चालक प्रिंस के रूप में हुई है। पूरन सिंह ट्रैक्टर पर सवार था। त्यागी ने बताया कि हादसे में घायल तीन लोगों को मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां पूरन सिंह और प्रिंस की मौत हो गई, जबकि धर्मेंद्र यादव नाम के व्यक्ति की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्होंने बताया कि उमेश की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। उन्होंने बताया कि मृतकों की उम्र का अभी पता नहीं चल पाया है। उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

यूपी के जिलों में हुई भीषण सर्दी, ठिठुरने को मजबूर हुए लोग

सीएम को स्कूल बंद करने का देना पड़ा आदेश

संवाददाता

लखनऊ, उत्तर प्रदेश में शुक्रवार से ही बारिश हो रही है। लगातार हो रही बारिश के बाद अब उत्तर प्रदेश में स्कूल बंद कर दिए गए है। इसे लेकर सहारनपुर में जिलाधिकारी ने आदेश जारी किए है। आदेश के मुताबिक शनिवार को सभी स्कूल बंद रखे गए है। सहारनपुर में कक्षा एक से 8वीं तक सभी स्कूलों बंद रखे गए है।

बच्चों के स्वास्थ्य और बढ़ती ठंड को देखते हुए ये फैसला किया गया है। आदेश के अनुसार जिले के सभी

परिषदीय, सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त और बोर्ड स्कूल बंद रखने पड़े है, चाहे वो किसी भी पाली में चलते हों। इस संबंध में सहारनपुर के डीएम ने आदेश जारी करते हुए कहा कि प्राइमरी से लेकर कक्षा 8 तक के सभी स्कूलों में छुट्टी रहेगी। डीएम ने आदेश में कहा कि सहारनपुर में हो रही बारिश और ठंड के कारण मानवीय आधार पर स्कूल में छुट्टी घोषित हुई है।

आदेश के मुताबिक शनिवार को मुजफ्फरनगर में भी कक्षा एक से 12वीं तक स्कूल बंद रखने के आदेश दिए गए है। मेरठ में भी स्कूल बंद रखने की घोषणा हुई है जो बारिश के कारण है। दिल्ली के पास गाजियाबाद में भी 28 से 30 दिसंबर तक ठंड व बारिश को देखते हुए अवकाश घोषित हुआ है।

बता दें कि शुक्रवार से ही पश्चिमी यूपी के कई जिलों में आसमान से लगातार बूंदे बरसती जा रही है। बच्चों को बारिश के कारण स्कूल आने जाने में अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं बच्चों के बारिश में भीगने के कारण बीमार होने की संभावना भी बनी हुई है। वहीं छुट्टी घोषित होने से अभिभावक भी खुश है। मौसम विभाग पहले ही राज्य के कई जिलों में शनिवार को तेज बारिश का अलर्ट जारी कर चुका है।

द्रविड़वाद और साम्यवाद में वैचारिक मित्रता है, यह दोस्ती हमेशा रहेगीः स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कहा कि द्रविड़वाद और साम्यवाद के बीच संबंध चुनावी राजनीति से परे हैं और यह वैचारिक मित्रता हमेशा बनी रहेगी। स्टालिन ने गठबंधन के फिर से बनने का स्पष्ट रूप से जिक्र करते हुए कहा कि दोनों आंदोलनों के बीच राजनीतिक मित्रता में कभी-कभार अल्पविराम लग सकता है, लेकिन वैचारिक दोस्ती हर परिस्थिति में जारी रहेगी।

भाजपा ने राहुल गांधी पर मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार पर राजनीति करने का आरोप लगाया

एजेंसी

नई दिल्ली, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस और इसके नेता राहुल गांधी पर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद संबित पात्रा ने शनिवार को यहां संवाददाताओं से बातचीत में गांधी पर यह कहने के लिए कड़ा प्रहार किया कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने निगमबोध घाट पर सिंह का अंतिम संस्कार करके सिंह का अपमान किया है, जबकि अन्य पूर्व प्रधानमंत्रियों का अंतिम संस्कार उन स्थलों पर किया गया जहां बाद में स्मारक बनाने की अनुमति थी। पात्रा ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा को डॉ. सिंह के अंतिम संस्कार से संबंधित विषय पर संवाददाता सम्मेलन करना पड़ रहा है... उनके निधन के बाद से ही केंद्र सरकार उनके लिए एक स्मारक बनाने की तैयारी कर रही है। पात्रा ने कहा, कैबिनेट की बैठक बुलाई गई और शोक संदेश जारी किया गया। पूर्व प्रधानमंत्री को उनके कद के अनुरूप उचित सम्मान देने का भी निर्णय लिया गया। कैबिनेट ने डॉ. सिंह के परिवार और कांग्रेस, दोनों को सूचित किया कि एक स्मारक बनाया जाएगा ताकि हर कोई उनके सकारात्मक योगदान को याद रख सके। हालांकि भूमि अधिग्रहण, ट्रस्ट बनाने और अन्य औपचारिकताओं के लिए समय चाहिए, वहीं अंतिम संस्कार में भी देरी नहीं की जा सकती। भाजपा नेता ने यह भी आरोप लगाया कि देश की सबसे पुरानी पार्टी ने अतीत में अपने नेताओं - पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव और पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी का अपमान किया था।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०/ ..../अ-20 (3)/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका श्रीमती कुसुम जायसवाल पति स्व० अयोध्या प्रसाद जाससवाल निवासी पुलिस लाईन बौरीपारा अम्बिकापुर, थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला बौरीपारा नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर-04 स्थित प्लाट नम्बर 1854/5 रकबा 1666 वर्गफीट भूमि को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र मय शपथ पत्र, मेंटनेन्स खसरा की छायाप्रति के साथ पेश किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-15/01/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः-19/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र० 2024050207 00097/अ-27/2023-24

फर्द बटवारा का अंतिम प्रकाशन

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय के रा०प्र०क्र0-202405020700097 /अ-27/2023-24 पक्षकार मु. कमला देवी प्रति रामखिलावन वगै. में ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित खसरा नंबर 40/6 रकबा 0.047 हे. भूमि का फर्द बंटवारा सूची हल्का पटवारी से प्राप्त हुआ है, जिसका अंतिम प्रकाशन कराया जा रहा है। अतः उक्त फर्द बंटवारा में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 06/01/2025 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 16/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०-/अ-6/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक अनूप कुमार सोनी आ० जनक प्रसाद सोनी, निवासी ब्रम्हरोड़ पंचशील गली, अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक द्वारा अनावेदकगण अब्दुल जुनैद, अब्दुल तारिक, अब्दुल इमरोज सभी आ.स्व. अब्दुल रसीद, सरबरी बेगम पत्नि स्व० अब्दुल रसीद, निवासी ग्राम महगंवा भैयाथान रोड़, जिला सूरजपुर के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर, मोहल्ला ब्रम्हरोड़ स्थित शीट नं. 03 की नजूल भूमि प्लॉट नंबर 890 रकबा 0.02 एकड़ एवं प्लाट नंबर 891 में से 0.01 एकड़ भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 16.12.2024 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदक द्वारा क्रयशुदा उक्त भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 15/01/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 26/12/2024 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-6/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदकगण विशेष मानिकपुरी आ० लखन मानिकपुरी, आशीष आ० लखन, अखिलेश मानिकपुरी आ० लखन, सभी निवासी सत्तीपारा करबला रोड, अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है. कि तिजो बाई पत्नि मिहतिन दास के द्वारा अपने स्वामित्व व अधिपत्य की नजूल भूमि मोहल्ला सत्तीपारा करबला के पास, नगर अम्बिकापुर स्थित प्लाट नम्बर 3385/6 रकबा 0.01 1/2 एकड़ भूमि के संबंध में पंजीकृत वशीयतनामा दिनांक 18.07.2023 आवेदकगण के पक्ष में निष्पादित किया गया है। वशीयतकर्ता तिजो बाई की मृत्यु दिनांक 10.09. 2024 को हो गई है। अतः आवेदकगण द्वारा उक्त वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण कराने हेतु मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 13/01/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 23/12/2024 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2024-25

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मो० मुस्ताक आ० महबुब हुसैन जाति मुसलमान, निवासी ग्राम / नगर कृष्णनगर, तहसील कुसमी, जिला बलरामपुर छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 4989/38 रकबा 0.012 हे० भूमि को कृषि भिन्न, आवासीय प्रयोजन हेतु पुर्ननिर्धारण कराने के लिए बी-1, खसरा, रजिस्ट्री, व्यपवर्तन प्रमाण पत्र की प्रति आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई // 2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा तिथि 14/01/2025 अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 30/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा).
अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा.प्र.क्र. ब/121 वर्ष

ग्राम प.ह.न.

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जमुना सिंह पिता कवलसाय जाति कवंर निवासी ग्राम पटियाडाड़ प.ह.न. 16 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्री कु. दिव्या सिंह आ० जमुना सिंह का जन्म दिनांक 28/11/2017 को ग्राम पटियाडाड़ में हुई है, अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पुत्री कु. दिव्या सिंह आ० जमुना सिंह का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत पटियाडाड़ को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 03/01/2025 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 20/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
भैयाथान
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-/ब-121/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक विजय कुमार अग्रवाल आ० अमृत लाल अग्रवाल एवं विमला देवी पत्नी विजय कुमार अग्रवाल निवासी कैलास मोड सत्तीपारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा मोहल्ला बाबूपारा नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर 9 स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3467/4866/312 रकबा 1944 वर्गफीट एवं प्लाट नम्बर 3467/4866/313 रकबा 864 वर्गफीट भूमि के भू-तल पर रकबा 119.82 वर्गमीटर एवं प्रथम तल पर रकबा 119.82 वर्गमीटर भूमि पर आवासीय भवन निर्माण कराने हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टेनेन्स खसरा एवं प्रस्तावित ब्लूप्रिंट नक्शा की प्रति सहित आवेदन पत्र भवन निर्माण शाखा में प्रस्तुत किया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 13/01/2025 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः-24/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला

क्रमांकः202409020700145

मामले की श्रेणीः- राजस्व

सनः-2023-2024

विषयः-ब-121

पचपेडी प.ह.न. 00012 [(हे0)]

पक्षकारों का विवरण - आवेदक

पक्षकार-महेश प्रसाद साहू, अनावेदक

पक्षकार-छ०ग० शासन,

ईश्तहार

आवेदक महेश प्रसाद साहू आ० स्व० मथुरा प्रसाद, निवासी ग्राम पचपेडी, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वत्व एवं आधिपत्य की ग्राम पचपेडी स्थित खसरा नंबर 8/1 के नक्शा में त्रुटि हो गया है। आवेदक द्वारा नक्शा सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जॉच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09.01.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 18/09/2024 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
तहसील - अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०//अ-20(3)/2024-25

ईश्तेहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक अविनाश मित्तल आ० रोशन लाल मित्तल उम्र लगभग 35 वर्ष जाति अग्रवाल निवासी पैलेस मार्ग अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा स्वामित्व की मोहल्ला बाबूपारा नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर-9 स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3467/4866/327 रकबा 1750 वर्गफीट भूमि को अनावेदक अशोक कुमार अग्रवाल आ० गनपत राम अग्रवाल उम्र लगभग 62 वर्ष जाति अग्रवाल निवासी अग्रसेन वार्ड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-13/01/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- -23/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

वैसे तो जीवन का हर पल ही नया होता है, अभूतपूर्व होता है। लेकिन जब एक निश्चित कालावधि बीतती है तो आने वाले समय के प्रति मन में उमंग, उत्साह और आशाएं हिलोरें लेने लगती हैं। ये आशाएं तभी फलीभूत हो सकती हैं, जब हम पूरी सकारात्मकता के साथ ना केवल शुभ संकल्प लें, उन्हें पूरा करने के लिए प्रयास भी करें। साथ ही हम अपने तन-मन का, अपनों का और पूरी मनुष्यता की बेहतरी के लिए भी संभव प्रयास करने का संकल्प लें।

नव उमंग-उत्साह नव नववर्ष के नवसंकल्प

आवरण कथा / कुमार राधारमण

एक और नया साल हमारे सामने है। वसंत की पृष्ठभूमि लिखी जा रही है। कुछ पुराना छूटने को है, तो कुछ नए के प्रति मन आशा, उमंग और उल्लास से सराबोर है। वास्तव में, नएपन का बोध व्यक्ति को ऊर्जा से भर देता है। नया साल 2025 इस ऊर्जा को नई दिशा देने के संकल्प से भरने का समय है।

संबंधों में बनाए रखें संतुलन

यह दुनिया संबंधों की है। हम अपनी सफलता-असफलता को भी अकसर इसी संदर्भ में आंकते हैं। सफलता नए संबंध जोड़ती है, लेकिन उससे उपजा अहंकार हमारे बरसों पुराने संबंधों में तल्खी भी ला देता है। नया साल इनके बीच संतुलन बिठाने और अप्रिय प्रसंग से ऊपर उठने का अवसर है। नए संबंध बनाएं, लेकिन पुराने में भी आत्मीयता बने रहने दें। इससे हमारा कद और ऊंचा होगा, मान-सम्मान बढ़ेगा। हम यह भी कभी ना भूलें कि कोई भी असफलता स्थायी नहीं है। जीवन में हमेशा एक से अधिक विकल्प मौजूद होते हैं। किसी असफलता विशेष को बड़ा मुद्दा ना बनने दें, खुद पर हावी ना होने दें और निरंतर आगे बढ़ने की सोचें। वास्तव में, सफलता-असफलता से इतर एक बेहतर मनुष्य होना, कहीं बड़ी चुनौती है। इसलिए सफल होने के प्रयासों के साथ ही हम बेहतर इंसान बनने की दिशा में हमेशा प्रयत्नशील रहें, ऐसा संकल्प हमें नूतन वर्ष के लिए करना चाहिए।

आभासी दुनिया में ना हों गुम

हम सब एक ऐसे दौर में हैं, जब अधिकतर लोगों का काफी समय आभासी दुनिया (सोशल मीडिया) में गुम हो रहा है। निस्संदेह सोशल मीडिया ने रचनात्मकता के नए मंच दिए हैं, जिसमें हम सबके लिए अपने को अभिव्यक्त करने का अवसर उपलब्ध हुआ है। लेकिन हममें से अधिकांश अपना बेशकीमती समय दूसरों के बनाए रील्स और एकतरफा विचारों की भीड़ में खो रहे हैं। सोशल मीडिया ने हमें अपनी कठपुतली बना लिया है और पर्सनल स्पेस के नाम पर हम दिन-रात ऐसी निरर्थक, भ्रमित करने वाली चीजें देख रहे हैं, जिनसे हमारा ना तो कोई हित सधता है और ना ही हम अपनी क्षमताओं का उपयोग कर पा रहे हैं। हम कभी ना भूलें कि समय से बढ़कर कुछ नहीं। व्यावहारिक जीवन में वास्तविक रिश्तों और मित्रों से जुड़े रहें, वे ही हमारे सुख-दुख के सच्चे साथी हैं।

सेहत का रखेंगे पूरा ध्यान

जीवन में सबसे बड़ी नियामत स्वास्थ्य ही है। अगर हम बीमार हैं, तो चाहे जितना कमा लें, सुखभोग नहीं कर पाएंगे। आज के दौर में अधिकतर महत्वाकांक्षी, बड़ी कंपनियों में उच्च वेतन पर नौकरी करने वाले युवाओं के पास आराम का समय नहीं है, वे अपनी सेहत से लगातार खिलवाड़ कर रहे हैं। अधूरी नींद और काम के तनाव से मानसिक रोगियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। बड़ी संख्या में युवा अस्पतालों के चक्कर लगा रहे हैं। बीमारी का मसला व्यक्तिगत नहीं होता, वह पूरे परिवार को प्रभावित करता है। नया साल अच्छी सेहत के लिए संकल्प लेने का एक सुअवसर है। खूब कमाएं, खाएं आनंद करें, लेकिन सेहत को नजरअंदाज बिल्कुल ना करें।

धनार्जन जरूरी है लेकिन

आज का समय आर्थिक उन्नति का दौर है। खासकर विगत कुछ वर्षों में कमाई के नए रास्ते खुले भी हैं और हम सबकी आमदनी में काफी इजाफा हुआ है। आर्थिक संपन्नता बेशक भविष्य के प्रति आश्वस्त तो करती ही है, रचनात्मकता को नए आयाम भी प्रदान करती है। लेकिन धनार्जन की ऐसी अंधी दौड़ का हिस्सा ना बने, जहां कई पीढ़ियों के लिए संपत्ति जुटा लेने की चाहत में हमारा चैन ही खो जाए। असली और सबसे बड़ा धन विवेक है। इसीलिए गोस्वामी तुलसीदास ने कहा है, 'जहां सुमति तहं संपति नाना।' धन खर्चने के साधन भी सीमित ही होते हैं। महत्वपूर्ण यह है कि हम सब कुछ पा लेने के बाद भी भीतर से खुश हैं या नहीं। जिसके पास खुशी है, वही सुखी है, वही सबसे धनी है।

बने रहें सकारात्मक

संभव है, बीत रहे वर्ष में हमने जो संकल्प लिए, उनमें से कुछ पूरे हुए और कुछ अधूरे रहे होंगे। ऐसे में सकारात्मकता के साथ अपने हर प्रयास का मूल्यांकन करें। आने वाले साल में 'बीती ताहि बिसारिए' की तर्ज पर नई ऊर्जा के साथ नए संकल्प से भरने का प्रयास करें। जिसके भीतर जज्बा है, मंजिल उससे बहुत दूर नहीं रहती। लेकिन मंजिल हमारे लिए ठहराव का कारण ना बनने पाए। ओशो कहते हैं कि जीवन का कोई लक्ष्य नहीं है, जीवन स्वयं में एक लक्ष्य है। चरैवेति की संकल्पना इसलिए ही की गई है। हम भी हमेशा आशावान और सकारात्मक बने रहें।

बढ़ाएं अपनेपन का दायरा

नए वर्ष में ही नहीं आने वाले तमाम वर्षों में दुनिया निरंतर बेहतर हो इसके लिए हम सब इंसानों को बेहतर बनने का प्रयास करना होगा। बेहतर इंसान वह है, जिससे मनुष्यता थोड़ी और समृद्ध हो। यह समृद्धि आत्मज्ञान और अच्छे के लिए पहल करने से आएगी, अपनेपन का दायरा बढ़ाने से आएगी। ज्योतिषी कहते हैं, 2025 मंगल का साल है। इस साल मंगल सात बार अपनी राशि बदलेगा। मंगल को ऊर्जा का कारक माना गया है और ऊर्जा के सात चक्र हैं। ऊर्जा के ये सभी चक्र जागृत हों और इस पूरे वर्ष हम सबके प्रति भी मंगल की भावना प्रबल हो। इन्हीं शुभकामनाओं के साथ नववर्ष मुबारक! *

करें ध्यान, चित्त रखें शांत

समस्या व्यक्ति के भीतर की हो या देश-दुनिया की, उसकी जड़ यह है कि हमारे भीतर से आध्यात्मिकता विदा हो रही है। हम शांत चित्त नहीं रह पा रहे हैं। श्रेष्ठ दिखने और स्वीकार किए जाने की चाहत संघर्ष को जन्म दे रही है, जिसका कोई अंत नहीं है। दुनिया को धार्मिक नहीं, आध्यात्मिक लोग चाहिए। विश्व संस्कृति को भारत की जो मूल देन है, उनमें से एक है- ध्यान। यह स्वागत योग्य है कि संयुक्त राष्ट्र ने बीत रहे वर्ष में विश्व ध्यान दिवस (21 दिसंबर) मनाने की शुरुआत की है। ध्यान अपने मूल रूप में शांत और स्वस्थ रहने का माध्यम भर नहीं है। ध्यान का मूल प्रयोजन शरीर से परे होने का अनुभव करना है। इस अनुभव पर हम सबका अधिकार है। नए वर्ष में हम इस दिशा में भी जरूर आगे बढ़ें।

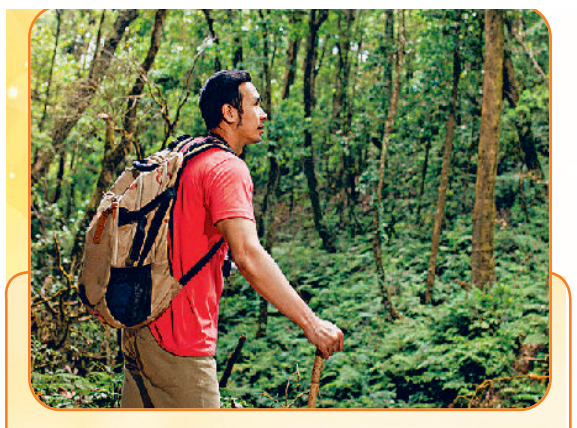

बना रहे प्रकृति का सान्निध्य

प्रकृति हमारे चारों ओर है, उससे मिलने वाले संसाधन निःशुल्क हैं। प्रकृति का अर्थ समुद्रतट या हिल स्टेशन मात्र से नहीं है। हम प्रकृति के जितने निकट जाएंगे, उतने ही प्रकृति की विराटता को जान स्तब्ध रह जाएंगे। जितने भी संबुद्ध पुरुष हुए हैं, उन सबके जीवन में प्रकृति से निकटता रही है। अकसर हमारा ध्यान ही इस तरफ नहीं जाता कि प्रकृति हमारे लिए कितनी सुलभ है। प्रकृति हमें शांतचित्त तो करती ही है, जीवन को उसकी गहराई में, वास्तविकता में जानने-समझने का मौका भी देती है। समुद्रतट और हिल स्टेशनों पर जाना हमें इसलिए अच्छा लगता है कि वहां हम अनायास ही मौन में उतर जाते हैं। वह मौन हमारे भीतर की मूल प्रकृति है। उसमें हमें अभूतपूर्व शांति मिलती है।

ये सूत्र नववर्ष में दिलाएंगे मनचाही सफलता

नववर्ष में आप पिछले वर्ष से और अधिक सफल और समझदार बनना चाहेंगे, इसके लिए आपको कुछ सूत्र अपनाने होंगे। इन्हें जब आप अमल में लाएंगे तो सफलता जरूर आपके कदम चूमेगी।

जरूरी बातों पर ध्यान केंद्रित करें: सर्वप्रथम उन्हीं बातों पर अपना ध्यान केंद्रित करें, जो आपके लिए जरूरी हैं, इन्हें आप नियंत्रित भी कर सकें। लोगों या परिस्थितियों पर अपनी प्रतिक्रिया को नियंत्रित करना भी सीखें। सफलता के लिए यह बहुत जरूरी है।

हर किसी से सीखें अच्छी बातें: लोगों में बुराई नहीं अच्छाई ढूंढें। तभी आपको नए अनुभव प्राप्त होंगे। हर किसी में कोई ना कोई अच्छाई जरूर होती है। आप इनसे कोई अच्छी बात सीख या जान सकते हैं। इन अच्छाइयों को आप भी अपने जीवन में अपनाएं।

बोलें कम सुनें ज्यादा: संभवतः ईश्वर ने हमें दो आंखें और दो कान लेकिन मुंह सिर्फ एक इसलिए दिया है कि ताकि हम बोलें कम, सुनें ज्यादा। कहने का मतलब हमारा अवलोकन हमेशा अच्छा होना चाहिए।

जो जरूरी हो वही करें: कुछ भी बोलते या किसी से वादा करते समय यहां तक कि कोई चीज खरीदते समय भी पहले खुद से पूछें- क्या यह वाकई जरूरी है?

समझें समय की कीमत: आपको अपने समय को उतना ही कीमती समझना चाहिए, जितना रुपए-पैसे या धन-संपत्ति को समझते हैं।

अपनी आदतों पर दें ध्यान: आप अपनी आदतों के कारण ही जाने जाते हैं। आप अपनी आदतों के प्रोडक्ट हैं। आपकी आदतें ही आपको अच्छा-बुरा या सफल-असफल इंसान बनाती हैं। इसलिए अपनी आदतों पर ध्यान दें। अच्छी आदतें बढ़ाएं और बुरी आदतें खत्म करें।

अपना आकलन करें: हर दिन, हर सप्ताह, हर पखवाड़े, हर महीने अपनी उपलब्धियां, कार्यशैली, किए गए काम या प्रयासों का ईमानदारी से आकलन करें। अपनी गलतियों को सुधारने के प्रति निरंतर सचेष्ट रहें।

जरूरी नहीं हर सवाल का जवाब: लोगों द्वारा की गई हर पूछताछ का जवाब देना जरूरी नहीं है। चुप्पी साधना आपका अधिकार है। यह गलत जवाब देने या जवाब देकर विवाद में उलझने से ज्यादा समझदारी का काम है। साथ ही उन परिस्थितियों के प्रति कतई चिंतित ना हों, जो अभी आई ही नहीं हैं।

कभी ना रहें निष्क्रिय: ठाले से बेगार भली। ध्यान रखें कि खाली दिमाग शैतान का घर होता है और निष्क्रिय रहना शरीर के लिए नुकसानदायक होता है। इसलिए हमेशा सक्रिय बने रहें। आपके जीवन का एक-एक पल ऐसा कीमती होना चाहिए मानो आप कभी भी मर सकते हैं। ऐसा समझें कि जीवन का हर नया पल आपको बोनस के रूप में मिल रहा है।

मन में ना रखें प्रतिशोध की भावना: लोगों से प्रतिशोध लेने की कभी ना सोचें। सबको अपनी मेहनत और सफलता से प्रभावित करें। अपने काम पर फोकस रहें, नतीजे अपने आप अच्छे आएंगे। आपके लिए सफलता क्या है, यह आप स्वयं तय करें।

स्वीकार करें चुनौतियां: कभी भी चुनौतियों से भागें नहीं, इन्हें स्वीकार करें। भीड़ के पीछे चलकर भीड़ का हिस्सा ना बनें। आप अपना रास्ता स्वयं तय करें।

सलाह और मदद में न करें संकोच: मदद या सहयोग मांगने में अपनी हेठी महसूस ना करें। अनावश्यक श्रम, समय और संसाधन का अपव्यय करने से अच्छा है किसी अनुभवी से सलाह ले लें।

परफेक्शन का सही अर्थ समझें: रोज कम से कम कोई एक काम ऐसा करें, जो आपको कल से ज्यादा समझदार और बेहतर बनाए। परफेक्शन नाम की कोई चीज इस दुनिया में नहीं है। हर क्षण सबसे परफेक्ट है, अगला पल इंपरफेक्ट हो सकता है।

मल्टी टास्किंग से रहें दूर: कुछ लोगों की ओवर वर्किंग और मल्टी टास्किंग की आदत होती है। एक समय में एक ही काम को परफेक्शन से करें। लेकिन जो लोग काम को टालते हैं, वह भी अच्छी बात नहीं है। इसलिए नियत समय पर हर काम को पूरा करें।

असफलता से ना डरें: असफलता से आपको डरने की जरूरत नहीं है, इतनी मेहनत करें कि विफलता आपसे खुद डरे। *

-शिखर चंद जैन

दोहे

अशोक 'अंजुम'

नए साल का जश्न

कुहरे का तंबू तना, नए साल का जश्न।
उत्तर भीगे ओस से, आग खोजते प्रश्न।।
नए वर्ष में वर्ष-भर, जलें प्यार के दीप।
बिना प्यार के है मनुज, ज्यों मोती बिन सीप।।
नए-नए सपने लिए, द्वार खड़ा नववर्ष।
सबके जीवन को मिले, सुख-समृद्धि हर्ष।।
आने वाले वर्ष में, चहुं दिशि रहे उजास।
मानवता जीवित रहे, हम सब करें प्रयास।।
नए वर्ष! स्वागत करें, तम का करना नाश।
मिटने मत देना कभी, आशा और विश्वास।।
नया-नया उल्लास ले, आया समय-विहंग।
छा जाए आकाश पर, मन में भरी उमंग।।
नए साल पर हम सभी, लें संकल्प विशेष।
कहीं न अब नफरत रहे, मिटे दिलों से द्वेष।।
डिगे नहीं हम कर्म से, करें धर्म-निर्वाह।
नए वर्ष पर हम चलें, सदा सत्य की राह।।

छोटी कहानी

डॉ. यशोधरा भटनागर

जो बीत गया, वह सिखाने के लिए था। और जो आने वाला है, वह जीने के लिए है, यही सोच हर इंसान की होनी चाहिए। नए साल की सुबह का ऐसे ही स्वागत करना चाहिए। मन को छूती कहानी।

सर्द दिसंबर की वो शाम

सर्दियों की वह ठंडी शाम थी। सूरज पश्चिम के आगोश में समा चुका था। आसमान हल्का नारंगी होते-होते गहरे नीले रंग में बदल रहा था। किसी पुराने सपने के धुंधलेपन-सी हल्की धुंध चारों ओर फैल चुकी थी। खिड़की के बाहर गली की स्ट्रीट लाइट्स मद्धिम रोशनी बिखेर रही थीं, जो धुंध में झिलमिलाती-सी लग रही थीं। सड़क पर कुछ बच्चे खेलते हुए जोर-जोर से हंस रहे थे, उनकी आवाजें सर्द हवा के साथ घुल-मिल रही थीं।

मैं अपने कमरे में, खिड़की के पास रखी कुर्सी पर बैठा था। कमरे में हल्की रोशनी थी, सामने छोटी-सी मेज पर एक जलती हुई मोमबत्ती टिमटिमा रही थी। उसकी हल्की रोशनी पूरे कमरे में एक अजीब-सा सुकून भर रही थी। मैंने पास ही रखा चाय का कप उठाया, उसकी भाप ने मेरे चेहरे को हल्का-सा छुआ। कप पकड़ते हुए, मेरी अंगुलियों में एक हल्की गर्माहट फैल गई।

उस शाम मैंने लंबे समय बाद अपनी डायरी उठाई। हर पन्ना मुझे मेरे बीते हुए दिनों की ओर खींच रहा था। कई पन्ने आंसुओं से धुंधले हो गए थे, जैसे उन पर किसी ने अपने गहरे दर्द को लिखकर बहा दिया हो। एक पन्ने पर लिखा था, 'कभी-कभी मुश्किलें इंसान को उसकी गहराइयों से मिलाने आती हैं।' मैंने उस पन्ने को पढ़ते हुए खिड़की के बाहर देखा। दूर कहीं कोहरे में लिपटे पेड़ खड़े थे, मानो उन्होंने अपनी जड़ें जमीन में और गहरी कर ली हों ताकि हाड़ कंपा देने वाली ठंड से मुकाबला कर सकें।

शहर की हलचल धीरे-धीरे कम हो रही थी। घरों के अंदर से आती रोशनी, बाहर की ठंडी सड़कों पर अपनी मौजूदगी का एहसास करा रही थी। तभी अचानक एक गाड़ी सड़क से गुजरी, युवा खिलखिलाहटों का स्वर चारों ओर बिखर गया। मैंने डायरी का एक और पन्ना पलटा। इस बार लिखा था-'जब दर्द गुजर जाएगा, तब सुकून आएगा। और उस सुकून में खुद को तलाशना।'

मुझे लगा कि शायद यही पल था। वह दर्द भरा दौर कहीं पीछे छूट गया था, इस दिसंबर की सर्द शाम में मैं खुद से पहली बार मिला।

धीरे-धीरे कमरे में सन्नाटा छा गया। सिर्फ दीवार पर टंगी घड़ी की टिक-टिक की आवाज सुनाई दे रही थी। बाहर हल्की ठंडी हवा चलने लगी थी। खिड़की से बाहर झांकते हुए देखा- गली के दूसरी तरफ एक बुजुर्ग जोड़ा हंसते-मुस्कुराते एक-दूसरे का हाथ थामे जा रहा था। उनकी चाल धीमी थी, लेकिन उनके बीच एक अजीब-सी गरमाहट दिख रही थी। वह गरमाहट, जो सर्द मौसम में भी इंसान को हिम्मत देती है।

उस पल मैंने खुद को उस बुजुर्ग जोड़े जैसा महसूस किया। मैंने अपने भीतर के रिश्तों को समझा, अपने अकेलेपन से दोस्ती की। वह शाम बस एक शाम नहीं थी, वह मेरे जीवन के एक लंबे दर्द भरे सफर का ठहराव था।

जैसे ही चाय की आखिरी घूंट खत्म हुई, मैंने ठंडी हवा को अपनी हथेली पर महसूस किया। एक गहरी सांस ली और खुद से कहा, 'जो बीत गया, वह सिखाने के लिए था। और जो आने वाला है, वह जीने के लिए।'

सच में, कहीं बीत गई सर्द दिसंबर की वह शाम, लेकिन उसके साथ मैं भी बीते हुए पलों से आगे बढ़ गया। अब मैं तैयार था। एक नई सुबह के लिए। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

गहन आध्यात्मिक चिंतन

नव वेदांत के आध्यात्मिक चिंतक राजीव मुद्गल की यह पुस्तक 'देवताओं का मौन' धर्म और अध्यात्म को लेकर समाज में बनी-बनाई कई अंध-धारणाओं और अव्यावहारिक मान्यताओं को ध्वस्त करती है। लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि इसे वे सायास नहीं करते हैं। बल्कि वेदांत के मर्म को तर्क के धरातल पर कसते हुए वे अपनी बात को इस तरह सामने रखते हैं कि उससे असहमत होना दुष्कर हो जाता है। ध्यान रखने बाली बात यह भी है कि धर्म, अध्यात्म के मर्म को आत्मसात करने के लिए उन्होंने अपनी युवावस्था में ही देश भ्रमण किया और कई तीर्थस्थलों, आश्रमों में अनेक चिंतकों के साथ लंबा वक्त गुजारा। उसी दौर के अपने अनुभवों को उन्होंने इस पुस्तक में संजोया है। इसमें कई विद्वानों से हुए उनके विमर्श वैचारिकता का एक नया क्षितिज हमारे सामने खोलते हैं। मिसाल के तौर पर इनलाइटमेंट के बारे में एक सवाल के जवाब में वह कहते हैं, 'एवरीथिंग इज ऑलरेडी इन अ स्टेट ऑफ इनलाइटमेंट। आप सब अपने आप में पूर्ण हैं, संपूर्ण हैं। लेकिन जो आप हैं, उसे छोड़कर जो आप नहीं हैं, उस अवस्था को जब आप प्राप्त करने दौड़ पड़ते हैं, तो सारी समस्या वहां से शुरू होती है। यह दौड़ ही आपको विक्षिप्त बना रही है।' *

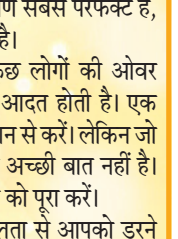

पुस्तक: देवताओं का मौन, **लेखक:** राजीव मुद्गल, **मूल्य:** 249 रुपए, **प्रकाशक:** प्रलेक प्रकाशन, मुंबई

हाथी व मानव द्वंद रोकने के साथ दोनों की सुरक्षा के हरसंभव करें उपाय : जयवर्धन

हाथियों की सुरक्षा हेतु जिला स्तरीय समिति की हुई बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सोमवार को कलेक्टर एस जयवर्धन ने हाथियों की सुरक्षा हेतु जिला स्तरीय समिति की बैठक ली। इस दौरान हाथियों के सुरक्षा के साथ साथ लोगों की सुरक्षा एवं मानव हाथी द्वंद के कारण होने वाले विभिन्न प्रकार के नुकसानों को लेकर चर्चा की गई। इस मौके पर डीएफओ पंकज कमल एवं वन विभाग के अन्य अधिकारी सहित जिला प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। बैठक में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में होने वाली हाथियों के रहवास, उनके गतिविधियों एवं घटनाओं पर चर्चा की गई। कलेक्टर श्री जयवर्धन ने हाथियों के विचरण क्षेत्रों की स्थिति, मानव हाथी द्वंद के कारण होने वाले पशु हानि ,जन हानि एवं किसानों के फसल हानि एवं हाथियों के मृत्यु के कारणों पर चर्चा करते हुए उनके और लोगों के सुरक्षा के हरसंभव उपाय करने की बात कही गई।

नव वर्ष पर पर्यटन स्थलों में होगी पुलिस की विशेष नजर

जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में कलेक्टर श्री जयवर्धन ने जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों की बैठक ली और संबंधित अधिकारियों को संयुक्त रूप से कार्य करने को कहा। कलेक्टर श्री जयवर्धन ने नए वर्ष आगमन को देखते हुए कहा कि जिले में कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा के इंतज़ाम लिए सभी अधिकारी सजग होकर कार्य करें। उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं पुलिस प्रशासन को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी अपने क्षेत्रों में इस दौरान असामाजिक तत्वों के द्वारा की जाने वाली वारदातों पर पैनी नजर रखें। किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति की संभावना को देखते ही त्वरित रूप में सख्त कार्यवाही करें। इसके अलावा उन्होंने नव वर्ष को देखते हुए पर्यटन स्थलों का विशेष रूप से मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने, सड़क यातायात में व्यवधान उत्पन्न करने वालों पर सख्त कार्यवाही तथा सुरक्षा एवं यातायात सुचारु करने के लिए नियमित पेट्रोलिंग कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने विभिन्न आयोजनों के दौरान जानबूझकर ध्वनि प्रदूषण कर कानून व्यवस्था का उल्लंघन किए जाने पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाने के निर्देश

यहां संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेते हुए कलेक्टर श्री जयवर्धन ने आमजनों के सभी राजस्व प्रकरणों का निराकरण समय सीमा में करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। बैठक में अपर कलेक्टर नरेंद्र पैकरा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती चांदनी कंवर, समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। कलेक्टर ने बैठक में फौती नामांतरण, भूमि अधिग्रहण, सीमांकन, डायवर्सन, त्रुटि सुधार, बंदोबस्त, खसरा एवं नक्शा त्रुटि सुधार, अविवादित, विवादित नामांतरण, बंटवारा, भूमि आबंटन, जाति, निवास, आय प्रमाण पत्र, पटवारी की उपलब्धता और अभिलेख दुरुस्तीकरण, भू-राजस्व वसूली, भू-अर्जन प्रकरणों का मुआवजा भुगतान की स्थिति, वन अधिकार पट्टा आदि की विस्तार से जानकारी ली। कलेक्टर ने बैठक में लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाने के निर्देश दिए। साथ ही सभी प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने के लिए कहा।

पुलिस ने शिविर लगाकर वाहन चालको का कराया नेत्र परीक्षण

0 93 चालको का हुआ परीक्षण, 30 को चश्मा लगाने की सलाह
0 सड़क हादसा कम करना उद्देश्य

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यातायात नियमों के प्रति नागरिकों में जागरूकता लाने और सड़क दुर्घटना कम करने की रणनीति को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर ने जिले के यातायात प्रभारी को नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन कराने के निर्देश दिए है। इसी तारतम्य में यातायात प्रभारी के द्वारा सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाते हुए नेशनल हाईवे पर वाहन चालकों का नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन कर बस, ट्रक व छोटे-बड़े चार पहिया वाहन के चालकों का नेत्र परीक्षण विशेषज्ञ चिकित्सक से कराया है। इस कैम्प में आंखों की जांच के लिए आए वाहन चालकों को यातायात प्रभारी ने यातायात नियमों का पालन कड़ाई से करने की समझाईश दी। सोमवार को यातायात प्रभारी फर्दीनंद कुजूर ने नेशनल हाईवे पर रेड़ नदी के पास स्थित टोल प्लाजा में वाहन चालकों के लिए नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। जिला चिकित्सालय के नेत्र चिकित्सक डॉ. मुकेश राजवाड़े ने 93 वाहन चालको की आंखों का परीक्षण किया गया जिनमें 63 चालकों के नेत्र सही पाया गया शेष चालकों को चश्मे की आवश्यकता पाई गई जिन्हें चश्मा लगाने की हिदायत देते हुए जरूरी दवाई दी गई। यातायात प्रभारी ने बताया कि इस कैंप का मुख्य उद्देश्य बस, ट्रक व छोटे चार पहिया वाहन के चालकों की आंखों की जांच कराना है। वाहन चालकों के नेत्र सही रहेंगे तो सफर के दौरान सड़क पर दुर्घटनाएं कम होगी और लोग सुरक्षित रहेंगे। इस दौरान एएसआई चमरू राम सहित यातायात के जवान सक्रिय रहे।

मां बागेश्वरी लोक न्यास ट्रस्ट कुदरगढ़ के प्रथम निर्वाचित अध्यक्ष का श्री नवयुवक दुर्गा मंडल करेगी आतिशी स्वागत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मां बागेश्वरी धाम लोक न्यास ट्रस्ट कुदरगढ़ का 22 वर्षों के इंतजार के बाद ट्रस्ट अपने पूर्ण अस्तित्व में आया और ट्रस्ट को प्रथम निर्वाचित अध्यक्ष मिला। इस निर्वाचन के दौरान पूर्व गृहमंत्री रामसेवक पैकरा को सर्वानुमति से प्रथम अध्यक्ष निर्विरोध चुना गया। जिस पर अग्रणी धार्मिक एवं सामाजिक संस्था श्री नवयुवक दुर्गा मंडल के प्रमुख मदनलाल गोयल व पूरे मंडल की टीम के द्वारा श्री पैकरा को बधाई देते हुए संस्था द्वारा निर्मित दुर्गा पंडाल प्रांगण सूरजपुर शहर की शक्तिपीठ आने आमंत्रित किया गया है। श्री पैकरा ने दुर्गा मंडल के द्वारा लंबे समय से कुदरगढ़ एवं देवगढ़ धाम में किए जाने वाले अग्रणी सेवा कार्य हेतु काफी प्रशंसा करते हुए आमंत्रण स्वीकार किया है। उनके प्रथम आगमन पर मंडल की टीम उत्साहित है। और उनके स्वागत की तैयारियो में लगी हुई है। इस आयोजन को लेकर मंडल के सचिव हुलेश्वर प्रसाद गुप्ता ने बताया कि श्री पैकरा 31 दिसंबर की शाम 8 बजे जिला मुख्यालय के भैयाथान रोड़ स्थित श्री नवयुवक दुर्गा मंडल के प्रांगण में प्रथम नगर आगमन होगा। इस दौरान मंडल की टीम द्वारा पंडाल में धार्मिक मंत्रोच्चार के साथ भव्य रूप से स्वागत अभिनंदन किया जाएगा। मंडल के नरेश बंसल ने कहा कि श्री पैकरा को माता बागेश्वरी धाम लोक न्यास ट्रस्ट कुदरगढ़ के प्रथम निर्वाचित अध्यक्ष होने पर हम सब काफी गौरवान्वित है। उनके अभिनन्दन के साथ मंडल के द्वारा वर्ष 2024 की विदाई समारोह, धार्मिक गीतो से ओतप्रोत भजन संध्या के भव्य कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाएगा।

श्रमिक पंजीयन एवं नवीनीकरण हेतु 31 दिसंबर तक कर सकेंगे आवेदन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के गठन से आज दिनांक तक ऐसे पंजीकृत निर्माण श्रमिक जिनके पंजीयन की वैद्यता समाप्त हुये 01 वर्ष या उससे अधिक का समय हो चुका है, तथा उनके द्वारा पंजीयन नवकरण हेतु आज दिनांक तक आवेदन प्रस्तुत नही किया गया है, ऐसे निर्माण श्रमिकों 31 दिसंबर 2024 तक नवीनीकरण हेतु श्रमेव जयते मोबाईल एप्प / मुख्यमंत्री श्रम संसाधन केन्द्र विभागीय वेबसाईट/च्वाइस सेंटर के माध्यम से आवेदन कर सकते है तथा 31 दिसंबरे के पश्चात ऐसे अनवीनीकृत पंजीयन को अपंजीकृत माना जाएगा। अधिक जानकारी हेतु मुख्यमंत्री श्रमिक सहायता केन्द्र 0771-3505050 में संपर्क करें।

तम्बाखू मुक्त हो जिले के शैक्षणिक संस्थानों की सौ मीटर परिधि, बिक्री पर लगाएं पुर्णत: प्रतिबंध : कलेक्टर

स्कूलों से तंबाकू मुक्त परिसर घोषित करने का प्रमाण पत्र भी लेने के निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सोमवार को यहां कलेक्ट्रेट सभागार में कलेक्टर एस.जयवर्धन ने जिले के अधिकारियों की बैठक लेकर उनके विभागीय कार्यो की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए है। बैठक में कलेक्टर ने जिले के सभी स्कूल की परिधि तम्बाकू मुक्त हो, स्कूल व कालेजों के आसपास तंबाकू उत्पादों का विक्रय पूर्ण रूप से प्रतिबंधित हो यह सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा विभाग को निर्देशित किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी शैक्षणिक संस्थान के 100 मीटर की परिधि में तंबाकू उत्पाद बेचने वाली कोई भी दुकान संचालित नहीं होनी चाहिए। तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान के लिए स्कूलों की नियमित मॉनिटरिंग व कोटपा का अनुपालना करवाने की बात उन्होंने कही है।इसके साथ ही कलेक्टर ने संबंधित को सभी स्कूलों से तंबाकू मुक्त परिसर घोषित करने का प्रमाण पत्र भी लेने के निर्देश दिये। इस अभियान के तहत स्कूलों में जागरुकता गतिविधियाँ भी चलाई जायेगी और विद्यार्थियों एवं विद्यालय स्टाफ द्वारा तंबाकू एवं तंबाकू उत्पादों का सेवन कभी न करने की शपथ भी दिलाई जायेगी। इसके साथ ही समय सीमा की बैठक में केसीसी कार्ड व प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की प्रगति को लेकर भी चर्चा की गई और आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक मे जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्ट्रेट परिसर में धारा-144 लागू : जिला दंडाधिकारी ने जारी किया आदेश

कांकेर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने कलेक्ट्रेट परिसर तथा परिसर के आसपास 200 मीटर की परिधि में लोक शांति एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 18 मार्च 2025 तक कुल 90 दिवस की अवधि के लिए धारा-144 लागू कर दी है।

जारी आदेश में कहा गया है कि भारतीय दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 (1) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री क्षीरसागर ने कलेक्ट्रेट परिसर एवं इसके आसपास 200 मीटर की दूरी में किसी भी प्रकार का धरना, प्रदर्शन, सभा, रैली, जुलूस, नारेबाजी हेतु उक्त अवधि के लिए पूर्णत: प्रतिबंधित किया है।

श्री विष्णु महायज्ञ व भागवत कथा के साथ होगा सामूहिक उपनयन संस्कार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां के श्री शिव परशुराम धाम में बीते वर्ष की भांति इस वर्ष भी बसंत पंचमी के पवन अवसर पर सर्व ब्राह्मण समाज के द्वारा

सर्वब्राह्मण समाज का आयोजन

सामूहिक उपनयन संस्कार के साथ श्री विष्णु महायज्ञ एवं संगीतमय श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन होगा। उक्त आयोजन की तैयारी को लेकर सर्व ब्राह्मण समाज की बैठक परशुराम धाम में रविवार को संपन्न हुई। बैठक में आगामी 28 जनवरी से 3 फरवरी तक आयोजित होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने समाज के पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं से सलाह कर उनसे उनकी राय ली गई। बैठक में उपस्थित जनों की सहमति से निर्णय लिया गया की सामूहिक उपनयन संस्कार का आयोजन बसंत पंचमी तिथि 3 फरवरी दिन सोमवार को प्रात: नौ बजे से आरंभ होगा। सामूहिक उपनयन संस्कार के लिए प्रति यजमान 51 सौ रु का पंजीयन शुल्क निर्धारित किया गया है। उपनयन संस्कार हेतु मंडप की व्यवस्था, पूजन सामग्री, एक जोड़ी वस्त्र एवं एक थाली समिति की ओर से बटुक को उपलब्ध कराई जाएगी। बटुक के साथ आयोजन में शामिल होने परिजनों की संख्या पूर्व में बतानी होगी ताकि उनके लिए उचित व्यवस्था की जा सके। आयोजन में भोजन, टेंट पंडाल, साउंड सिस्टम शोभा यात्रा हेतु सभी से सहयोग लेने का निर्णय लिया गया। पंजीयन शुल्क के अतिरिक्त यथोचित सहयोग अपेक्षित है। उपनयन संस्कार के आयोजन के पूर्व श्री विष्णु महायज्ञ एवं भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का आयोजन 28 जनवरी से 3 फरवरी तक किया जाना निर्धारित हुआ है इसके लिए सर्व समाज से आयोजन में सहभागी हो आयोजन को सफल बनाने सहयोग की अपील करने का निर्णय लिया गया, ताकि आयोजन की भव्यता सुनिश्चित हो सके। बैठक में सर्व ब्राह्मण समाज के जिलाध्यक्ष मनोज अवस्थी की अगुआई में समाज के वरिष्ठ जन पदाधिकारी, कार्यकर्ता सदस्यगण एवं आचार्य बृंद उपस्थित थे।

चार जुआरियों से 8300 रुपए जब्त

लवन-रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। ऑपरेशन विश्वास के तहत थाना लवन पुलिस द्वारा जुआ, सट्टा आदि अंवैधानिक कार्यों में लिप्त आरोपियों एवं अवैध रूप से शराब बिक्री करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में आज दिनांक 22.12.2024 को थाना लवन पुलिस द्वारा ग्राम कारी में जुआ खेलते हुए 04 जुआरियो को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी जुआरियों से नगदी रुपए 8300 एवं 52 पत्ती ताश जप्त किया गया है। आरोपी जुआरियों के विरूद्ध थाना लवन में 13 जुआ एक्ट एवं छ.ग. जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत अपराध क्र. 571/2024 पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया है।

कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों की ली समीक्षा बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन द्वारा संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में अपर कलेक्टर श्री नरेंद्र पैकरा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती चांदनी कंवर, समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। कलेक्टर ने राजस्व विभाग के कामकाजों की समीक्षा करते हुए राजस्व अधिकारी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदारों को निर्देशित करते हुए आमजनों के सभी राजस्व प्रकरणों का निराकरण समय सीमा में करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने बैठक में फौती नामांतरण, भूमि अधिग्रहण, सीमांकन, डायवर्सन, त्रुटि सुधार, बंदोबस्त, खसरा एवं नक्शा त्रुटि सुधार, अविवादित, विवादित नामांतरण, बंटवारा, भूमि आबंटन, जाति, निवास, आय प्रमाण पत्र, पटवारी की उपलब्धता और अभिलेख दुरुस्तीकरण, भू-राजस्व वसूली, भू-अर्जन प्रकरणों का मुआवजा भुगतान की स्थिति, वन अधिकार पट्टा आदि की विस्तार से जानकारी ली। कलेक्टर ने बैठक में लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाने के निर्देश दिए। साथ ही सभी प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने के लिए कहा।

उपार्जन केन्द्र के पास मडरा रहे हाथी, कर्मचारी दहशत में

कोरबा छ.ग. फ्रंटलाइन। करीब एक दर्जन की संख्या में यह हाथी अंधेरा छाने के बाद धान खरीदी केंद्र में धमक रहे हैं। अब खरीदी केंद्र के कर्मचारी और चैकीदार को इस बात की चिंता है कि वे धान बचाएं कि जान। दोनों को बचाने की कवायद में किसानों से मदद ली जा रही है। उनके ट्रैक्टर लेकर उनकी मदद से रात में तेज आवाज में साउंड बॉक्स पर गाना बजाते हुए हाथियों को खदेडने की जोखिम भरी कोशिश की जा रही है जिसका वीडियो भी सामने आया है।वहीं दूसरी तरफ इन सब मामलों में अनुभवी वन कर्मियों और अधिकारियों की भूमिका पर भी सवालिया निशान उठे हैं जो सिर्फ हिदायत देकर खानापूर्ति कर रहे हैं।

कोरबा में सहकारी समिति के कर्मचारियों ने हाथियों को खदेडने का गजब का तरीका इजाद कर लिया है। किसानों से उधार लिए ट्रैक्टर के जरिए रात भर हाथी को खदेडकर धान की सुरक्षा कर रहे हैं। यह नजारा करतला ब्लाक के हाथी प्रभावित नवापारा गांव स्थित 90 हजार क्विंटल धान की क्षमता वाला जिले का सबसे बड़ा उपार्जन केंद्र का है। इस केंद्र से लगे गांव के जंगल के आसपास 12 हाथियों ने डेरा जमा लिया है। शाम ढलते ही हाथियों का दल मंडी में घुसने की कोशिश करता है। उनसे निपटना बड़ी चुनौती बन जाती है। फड़ के कर्मचारी ट्रैक्टर के जरिए और तेज आवाज में साउंड बॉक्स बजाकर हाथी को खदेड़ रहे हैं।पिछले 15 दिनों से यहां हाथियों से दहशत जारी है। फेंसिंग तोडकर हाथी इस केंद्र में घुसने का प्रयास करते हैं। किसानों और कर्मचारियों की जान खतरे में रहती है। नवापारा, रामपुर समेत तीन केंद्र के कर्मचारी अपनी जान जोखिम में डालकर रातनभर हाथियों से धान की सुरक्षा कर रहे हैं। किसानों के ट्रैक्टर मांगकर उसका साइलेंसर निकाल दिया है ताकि गाड़ी से अधिक आवाज आए, मगर यह तरीका भी जानलेवा है। कुछ दिन पहले एक हाथी चचिया के धान मंडी में घुस गया था। उसके बाद 15 हाथियों का दल नवापारा मंडी के इर्द गिर्द मंडरा रहा है।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

ओबीसी महासभा ने सरकार पर पिछड़ा वर्ग की उपेक्षा का लगाया आरोप, किया प्रदर्शन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राज्य सरकार द्वारा पिछड़े वर्ग की उपेक्षा का आरोप लगाकर ओबीसी समाज ने प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में धरना-प्रदर्शन किया। इसी क्रम में अंबिकापुर में गांधी चैक पर ओबीसी महासभा ने प्रदर्शन करके सरकार के प्रति नाराजगी जताई।

धरना-प्रदर्शन में जुटे पदाधिकारियों ने कहा कि राज्य सरकार के द्वारा पिछड़े वर्ग की उपेक्षा से पूरे प्रदेश में पिछड़ा वर्ग नाराज है। इससे पूर्व 4 वर्षों से प्रदेश अध्यक्ष के मार्गदर्शन में राज्य सरकार से विधायक, सांसद, जिला कलेक्टर के माध्यम से प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, मुख्यमंत्री से हमेशा पिछड़ा वर्ग को लंबित आरक्षण 27 प्रतिशत देने की मांग की जा रही है, लेकिन आज तक आरक्षण नहीं मिला है। राज्य सरकार द्वारा कैबिनेट की बैठक में पिछड़ा वर्ग के हितों को ध्यान में नहीं रखा गया। सरगुजा, बस्तर जिले में पंचायत के चुनाव में ओबीसी आरक्षण को शून्य कर दिया गया। नगर पालिका, नगर निगम के चुनाव में पहले जो आरक्षण ओबीसी को मिलता था, उसे घटाकर कम कर दिया गया है। पिछड़ा वर्ग समाज की अपेक्षा की जा रही है। हमारी निरंतर मांगों से सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि सरकार हमारी मांगों पर गंभीरता पूर्वक विचार नहीं की, मांगे पूरी नहीं की, इसलिए धरना-प्रदर्शन जैसा कदम उठाना पड़ा है। आने वाले समय में प्रदेश के आव्हान पर पूरे प्रदेश में क्रमबद्ध तरीके से आंदोलन को आगे बढ़ते हुए नगर बंद, चक्का जाम करके आंदोलन को आगे बढ़ाएंगे। कार्यक्रम के अंत में प्रशासन की ओर से नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान सुभाष साहू, भूलेश्वर राजवाड़े, रामअवतार गुप्ता, नित्यानंद ठाकुर, पारसनाथ राजवाड़े, शैलेंद्र शर्मा, डॉ. कृपाशंकर पटेल, कमलेश कुमार यादव, रघुनंदन सोनी, उमाशंकर कुशवाहा, इंदु कश्यप, मालती यादव, संजू सोनी, रश्मि सोनी, यशोदा साहू, गिरिजा ठाकुर, उषा सोनी, ममता सोनी, अनीता देवी शर्मा, नेहा गुप्ता, आशा देवी, ममता देवी विश्वकर्मा, मनोरमा विश्वकर्मा, माया देवी, सीता सोनी, मनोज, सुंदरकली देवी, मीना, निर्मला कश्यप, वर्षा ठाकुर, रंभा शर्मा, सुनीता शर्मा, पुष्पा सहित बड़ी संख्या में ओबीसी समाज के लोग उपस्थित थे।

डबल इंजन की सरकार बनने के बाद विकास दूर की कौड़ी साबित हो रही

शहर के नागरिक फेफड़ों में धूल झोंक रहे, 3 दिन के अंदर शहर की सड़कों का करें सुधार

छ.ग.फ्रंटलाइन अबिकापुर। शहर में मौजूद जर्जर राष्ट्रीय राजमार्ग को 3 दिनों के अंदर सुधारने का अल्टीमेटम जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग को दिया है। उन्होंने कहा है कि अगर 3 दिनों के अंदर शहर में मौजूद राष्ट्रीय राजमार्ग के सड़कों को नहीं सुधारा गया, तो जनहित में कांग्रेस वृहद आंदोलन करेगी।

राकेश गुप्ता ने कहा है कि अंबिकापुर शहर के अंदर की सभी प्रमुख सड़कें देवीगंज रोड, सदर रोड, स्कूल रोड, रामानुजगंज रोड, बिलासपुर रोड, रायगढ़ रोड, ब्रम्ह रोड की सड़कें या तो राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग की सड़कें हैं या लोक निर्माण विभाग की हैं। ये सभी एक लंबे अरसे से जर्जर हो चुकी हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग की लापरवाही से जर्जर हुई इन सड़कों के लिए बेवजह नगर निगम अंबिकापुर को जवाबदेह ठहराया जाता है, जबकि ये सड़कें नगर निगम के अधिकार क्षेत्र से बाहर की हैं।

पूर्व उपमुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव ने आमजन की परेशानियों और राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के अधिकारियों के द्वारा इन मार्गों की अनदेखी को ध्यान में रखकर भरी बरसात में राष्ट्रीय राजमार्ग के बाहरी हिस्सों का जन सहयोग से मरम्मत कराया था। नगर निगम के महापौर के नेतृत्व में निगम के कांग्रेस पार्षदों के दल ने एनएच कार्यालय का घेराव भी किया। नगर निगम के निर्माण समिति प्रभारी शफी अहमद लंबे अर्से से जर्जर सड़कों के कारण नागरिकों को हो रही असुविधा को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के अधिकारियों से सभी स्तर पर चर्चा कर चुके हैं। एनएच के सुधार की मांग को लेकर जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंहदेव एवं उनके स्वयं के नेतृत्व में चक्काजाम भी किया जा चुका है, लेकिन संबंधित विभाग ने जन समस्या पर मौन साध लिया है। शहर के अंदर सदर रोड और महामाया चौक पर इतने बड़े-बड़े गड्ढे हो चुके हैं कि आए दिन शहर के नागरिक दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने कहा है कि भाजपा ने डबल इंजन की सरकार के नाम पर नागरिकों की आंखों में धूल झोंककर वोट हासिल कर लिया और सरकार बना ली, लेकिन सरकार बनाने के बाद विकास तो दूर की कौड़ी साबित हो गई है। सरकार और जिले से निर्वाचित भाजपाई जनप्रतिनिधि निष्क्रियता से शहर के नागरिकों के फेफड़ों में धूल झोंक रहे हैं। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने कहा है कि आगामी 3 दिनों के अंदर सड़कों को अगर नहीं सुधारा गया तो सरकार और राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के विरुद्ध कांग्रेस जनहित में आंदोलन प्रारंभ कर देगी।

नाबालिग को अपने घर से जाकर किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने और दुष्कर्म के आरोपी को उदयपुर थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक 22 दिसम्बर को नाबालिग लड़की अपने सहेलियों के साथ उदयपुर बाजार गई थी, जो वापस नहीं लौटी। स्वजन तलाश में जुटे तो पता चला कि ग्राम जजगी का जलेश्वर लड़की को अपने साथ रखा है। स्वजन लड़की को लेने के लिए जलेश्वर के घर गए, तो इसकी पुष्टि हुई। इसकी रिपोर्ट थाना उदयपुर में दर्ज कराई गई थी, जिस पर पुलिस ने धारा 137 बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया था। पुलिस टीम ने आरोपी जलेश्वर के कब्जे से नाबालिग बालिका को बरामद किया। महिला अधिकारी को नाबालिग ने पूछताछ के दौरान आरोपी जलेश्वर के द्वारा शादी करने का प्रलोभन देकर अपने घर ले जाने और जबरन दुष्कर्म करने की जानकारी दी। पुलिस टीम ने आरोपी जलेश्वर 20 वर्ष निवासी जजगी के द्वारा अपराध स्वीकार करने पर प्रकरण में धारा 64(2)(ड) बी.एन.एस. एवं पोक्सो एक्ट की धारा 4, 6 जोड़कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी उदयपुर निरीक्षक कुमारी चंद्राकर, प्रधान आरक्षक देवनारायण सिंह, आरक्षक देवेंद्र सिंह, विजय पैकरा सक्रिय रहे।

किसान खेत में कराया बोर, कुछ देर में आने लगी गैस की महक, माचिस जलाने पर लग गई आग

मामला धरमपुर-चिकनी का, कौतूहलवश मौके पर लगी ग्रामीणों की भीड़

छ.ग.फ्रंटलाइन भटगांव। सूरजपुर जिले के भैयाथान ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत धरमपुर-चिकनी में एक ग्रामीण के खेत में रविवार को बोरवेल लगाने के समय कराए गए बोर से आग निकलने लगी, जिससे ग्रामीण सहम गए। घटना का वीडियो ग्रामीणों ने सोशल मीडिया पर वायरल किया है। बोरवेल में मीथेन नेचुरल गैस के कारण आग की लपटें निकलने की संभावना है।

जानकारी के मुताबिक एसईसीएल भटगांव मुख्यालय से लगभग 5 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत धरमपुर-चिकनी गांव में एक किसान के खेत में बोरवेल का काम शनिवार को शुरू किया गया था। रविवार को बोर का काम पूरा हुआ। काम पूरा करने के बाद बोरवेल मशीन लेकर चालक और सहयोगी वापस चले गए थे। बोरवेल का काम पूरा होने के कुछ देर बाद ही मौके पर गैस की महक आने लगी। जिज्ञासावश जब माचिस जलाया तो आग की लपट निकलने लगी, इससे ग्रामीण सहम गए। आग की लपट पर काबू पाने के लिए ग्रामीणों ने बोरवेल के पाइप पर गीला बोरा भी डाला, लेकिन आग की लपटों ने बोरे को भी जला दिया। भटगांव क्षेत्र में कोयले का अकूत भंडार है। एसईसीएल भटगांव क्षेत्र में मीथेन नेचुरल गैस की भी खोज हो चुकी है। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि आग गैस के कारण बोरवेल से निकल रही है। संभवत: बोर मीथेन नेचुरल गैस के गर्भ तक पहुंच गई है। इसकी सूचना प्रशासनिक अमले को भी दी गई है। सोमवार शाम तक मौके पर बड़ी संख्या में लोग कौतूहलवश डटे रहे। बता दें कि मीथेन का मुख्य घटक प्राकृतिक गैस है। इसे लाखों वर्षों में उच्च दबाव और उच्च तापमान प्रक्रियाओं के द्वारा प्राप्त किया जा सकता है, जो गहरे भूमिगत जीवाश्म ईंधन का उत्पादन करते हैं।

यातायात के नियमों की अवहेलना करने वाले 93 वाहन चालकों पर 68 हजार रुपये जुर्माना

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। यातायात के नियमों की अवहेलना करने वाले 93 वाहन चालकों से सरगुजा पुलिस ने 68 हजार रुपये समन शुल्क वसूल किया। कार्रवाई के दौरान अत्यधिक तीव्र गति से वाहन चलाते जाने पर 21 वाहन चालकों से 23 हजार रुपये, मॉडिफाइड साइलेंसर का उपयोग कर दुपहिया वाहन चलाने के मामले में 02 वाहन चालकों से 14 हजार रुपये, फ़ोन में बात करते हुए वाहन चलाने के 06 मामलों में 1800 रुपये, बिना पूर्ण दस्तावेज के वाहन चलाने वाले 07 वाहन चालकों से 2100 रुपये, दीगर प्रकरणों में 12 वाहन चालकों से 7500 रुपये समन शुल्क वसूल किया गया है। सरगुजा पुलिस ने लोगों से यातायात के नियमों का पालन करने की अपील की है। कार्रवाई में यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक तृप्ति सिंह राजपूत, उप निरीक्षक विजय केवर्त, प्रधान आरक्षक नीरज पाण्डेय, जितेंद्र यादव, विमल सिंह, आरक्षक इंद्रप्रताप सिंह सक्रिय रहे।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, गर्भवती होने पर कराया गर्भपात

रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी सहपाठी को गिरफ्तार करके जेल भेजा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शादी करने का झांसा देकर जबरन दुष्कर्म एवं गर्भपात कराने के मामले में गांधीनगर थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने बताया गांधीनगर थाना में एक युवती 30 अक्टूबर 24 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि ग्राम पड़निया बरियों निवासी राहुल सिंह से उसका जान-पहचान साथ में पढ़ने के दौरान हुआ था। बाद में आरोपी राहुल मोबाइल के जरिए उससे बातचीत करके पसंद करने और शादी करने की बात करने लगा। घटना दिनांक 15 अक्टूबर 2017 को वह उसे सुभाषनगर स्थित कमरे में जरुरी काम होने की बात कहकर बुलाया और जबरन दुष्कर्म किया। आरोपी बीच-बीच में उससे मिलते रहता था। वर्ष 2021 में जब वह गर्भवती हो गई तो आरोपी दवा खिलाकर जबरन गर्भपात करा दिया। आरोपी ने 21 अगस्त 24 को अंतिम बार उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया और शादी करने के नाम गुमराह करते रहा। रिपोर्ट पर पुलिस ने धारा 81, 88 बी.एन.एस. एवं एसटी, एससी एक्ट की धारा 3(2)(ट) का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया। पुलिस टीम ने आरोपी राहुल सिंह 27 वर्ष निवासी पड़निया बारियों, थाना राजपुर को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। कार्रवाई में उप पुलिस अधीक्षक एम.आर. कश्यप के निर्देशन में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक मोरध्वज देशमुख, उप निरीक्षक रश्मि सिंह, नवल किशोर दुबे, प्रधान आरक्षक मदन गोपाल परिहार, आरक्षक सत्यम सिंह, अनिल परिहार, तेजेश्वरी राजवाड़े सक्रिय रहे।

राष्ट्रीय एकता शिविर के जरिए लघु भारत का हुआ दर्शन-नरेन्द्र सिंह तोमर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। युवा एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार, राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय भोपाल द्वारा जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर की संगठन व्यवस्था के तहत लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षण संस्था में राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में देश के 15 राज्यों के 200 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। शिविर में सीएसवीटीयू की संगठन व्यवस्था में छत्तीसगढ़ के विभिन्न विश्वविद्यालयों से 10 स्वयंसेवकों की सहभागिता रही, इसमें राज्य से पियू सामंता, आकृति गुप्ता, खुशबू भगत, मंजीत कुमार, विपिन कुमार, चंचल यादव, धनंजय कुमार, राजकुमार प्रधान, आशीष कुमार, तनुश्री गुप्ता ने भाग लेकर राज्य का नाम रोशन किया है। राष्ट्रीय एकता शिविर का उद्देश्य राज्यों की कला, संस्कृति, वेशभूषा, लोकनृत्य, रहन-सहन एवं भाषाओं का आदान-प्रदान करते हुए अनेकता में एकता का परिचय देना था। शिविर का शुभारंभ मध्यप्रदेश विधान सभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर के मुख्य आतिथ्य में हुआ। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता शिविर के जरिए उन्हें लघु भारत का दर्शन मिला है।

शिविर में प्रतिदिन योग सत्र में योग विशेषज्ञ द्वारा योग कराकर उनसे होने वाले लाभ, योग की महत्ता को समझाते हुए हमारे दैनिक दिनचर्या में उसके उपयोग को बताया गया। साथ में प्रतिदिन विभिन्न गतिविधियों गायन, चित्रकारी, प्रश्न मंच, वाद-विवाद, भाषण का आयोजन किया गया। बौद्धिक चर्चा में रचनाकार अनुराग पाठक ने अपना अनुभव साझा किया और स्वयंसेवकों को अवसाद से दूर रहने के उपाय बताए। कलाकार आशुतोष राणा ने बताया कि राष्ट्रीय एकता शिविर बंधुत्व की भावना को उत्पन्न करता है और जीवन में आने वाली विभिन्न समस्याओं का शांतिपूर्वक हल करने में इस तरह की शिविर महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शिविर में राज्यों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी-अपनी कला संस्कृति की प्रस्तुति दी। छत्तीसगढ़ टीम ने राज्य गीत अरपा पैरी के धार, सुआ नृत्य, राउत नाचा, पंथी नृत्य की प्रस्तुती दी, जिसने सभी का मन मोह लिया। शिविर में आए सभी स्वयंसेवकों ने ग्वालियर भ्रमण के दौरान तेली मंदिर, सास बहू मंदिर, गुरुद्वारा, राजा मानसिंह किला, रानी लक्ष्मीबाई की समाधि स्थल को देखा। छत्तीसगढ़ टीम का नेतृत्व कार्यक्रम अधिकारी अमित कुमार बघेल ने किया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय एकता शिविर से देश के अलग-अलग राज्यों की संस्कृति, भाषा, वेशभूषा, खान-पान को जानने का अवसर मिला। सीएसवीटीयू एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. डीएस रघुवंशी ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं दी।

कभी खुशी-कभी गम के साथ विदा हुए मानिक प्रकाशपुर से शिविरार्थी

नशा से मुक्ति और स्वच्छता का संदेश दे गए साई कॉलेज के स्वयं सेवक

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। श्री साई बाबा आदर्श स्नातकोत्तर महाविद्यालय का मानिक प्रकाशपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर कभी खुशी-कभी गम के साथ सोमवार को संपन्न हो गया। स्वयं सेवकों ने ग्रामीण और अपनों के साथ अगले कैम्प में फिर मिलेंगे, वादे के साथ विदा हुए। समापन समारोह को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेश श्रीवास्तव ने कहा कि स्वयं सेवकों का उत्साह और सेवा भाव उनके चेहरे से झलक रहा है। स्वयं सेवकों का ग्रामीणों के साथ मेल-जोल और सीखने की ललक प्रेरक पल बन चुका है। उन्होंने स्वयं सेवकों को प्रेरित करते हुए कहा कि आपने मानिकप्रकाशपुर में हमारे महाविद्यालय को गौरवान्वित किया है, जो हममें परिलक्षित होता रहेगा। मुख्य अतिथि मानिक प्रकाशपुर घुटरापारा विद्यालय के प्रधानपाठक डीके सोनी ने कहा कि स्वयं सेवकों ने शिक्षा, स्वच्छता, सांस्कृतिक कार्यक्रमों से गांव वालों को प्रेरित किया। प्रभात फेरी के दौरान नशा उन्मूलन की नारेबाजी कर गांव वालों को जगाया। स्वीप के नोडल डॉ. अजय कुमार तिवारी ने कहा कि सात दिनों की शिविर में बौद्धिक परिचर्चा के दौरान विषय के विशेषज्ञों ने नशा से मुक्ति, समाज सेवा, वन्य जीव संरक्षण, मशरूम की खेती, संचार आदि के बारे में बताया। यह शिविर की सफलता है कि स्वयं सेवकों के साथ ग्रामीण भी मंच पर सहभागी बने। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी देवेन्द्र दास सोनवानी ने सात दिनों की शिविर की गतिविधियों से अवगत कराया। उन्होंने स्वयं सेवकों को शिविर की दिनचर्या को आत्मसात करने का आह्वान किया। शिविर से विदा होते समय स्वयं सेवक एक-दूसरे से मिल कर यादों को साझा करते रहे। शिविरार्थियों ने सात दिनों के अपने अनुभवों से अवगत कराया। प्राचार्य डॉ. राजेश श्रीवास्तव, मुख्य अतिथि डीके सोनी ने सभी स्वयं सेवकों को शिविर का प्रमाणपत्र प्रदान किया। शिविर के दौरान सहायक प्राध्यापक सोनाली गोस्वामी, क्रीड़ा अधिकारी तिलक राज टोप्पो के साथ महाविद्यालय के प्राध्यापकों को सामाजिक सरोकारों के दौरान सहयोग रहा।

युवती का रिश्ता तय होने पर आपत्तिजनक फोटो मंगेतर को भेजकर वायरल किया, केस दज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले के सीतापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत की एक युवती का आपत्तिजनक फोटो वायरल करने का मामला प्रकाश में आया है, जिस कारण उसका वैवाहिक रिश्ता भी टूट गया। युवक की धमकी से परेशान महिला ने इसकी शिकायत थाने में दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। युवती ने सीतापुर थाना पुलिस को बताया है कि रायगढ़ जिला के धमजयगढ़ थाना अंतर्गत ग्राम ओंगना के आकाश प्रधान पिता स्व. उमेन प्रधान 25 वर्ष से एक वर्ष पहले जान-पहचान हुआ था। दोनों एक-दूसरे को पसंद करते थे और उनमें बातचीत होता था। इसी बीच आकाश प्रधान उसका कुछ फोटो खींच कर अपने पास रख लिया था। युवती के स्वजन आकाश को पसंद नहीं करते थे और युवती की मर्जी से ही उसका विवाह दूसरे जगह तय करके फलदान किया था। इसी बीच आकाश प्रधान ने युवती के मंगेतर को मना करने के बाद भी आपत्तिजनक फोटो भेजकर उसे वायरल भी कर दिया, जिससे खटपट की स्थिति बनी और उसका रिश्ता टूट गया। इसके बाद आरोपी युवक शादी कहीं भी नहीं होने देने की धमकी देने लगा। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी युवक के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

इंस्टाग्राम आईडी बनाकर युवती का फोटो वायरल-युवती के नाम से इंस्टाग्राम आईडी बनाकर साथ में खिंचाए गए फोटो को वायरल करने के मामले में मणिपुर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। लुण्ड्रा थाना क्षेत्र की युवती ने इसकी रिपोर्ट थाना में दर्ज कराई है।

युवती ने पुलिस को बताया है कि वह वर्ष 2017 में अंबिकापुर में रहकर कक्षा 11वीं में पढ़ रही थी, तभी उसका परिचय साथ में पढ़ने वाले सुनील यादव से हुआ था। कक्षा 12वीं तक दोनों एक ही स्कूल में पढ़े, इसके बाद 3 साल के लिए नर्सिंग का कोर्स करने वह उत्तर प्रदेश चली गई थी। वापस आने के बाद वह उक्त युवक से बातचीच बंद कर दी थी। इसके बाद वह एक निजी अस्पताल में नर्स बतौर काम करने लगी। इसी बीच सुनील ने युवती के नाम का इंस्टाग्राम आईडी बनया और उसमें साथ में खिंचवाए गए पुराने फोटो को वायरल कर दिया। इसकी जानकारी उसे परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों से मिली। जब वह फोन करके सुनील यादव को फोटो वायरल करने से मना की तो वह उसे बदनाम कर देने की धमकी देने लगा। पूर्व में भी वह ऐसा कृत्य कर चुका है। मानसिक रूप से परेशान युवती की रिपोर्ट पर पुलिस अग्रिम विवेचना कार्रवाई में जुट गई है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर